Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 188
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,06 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

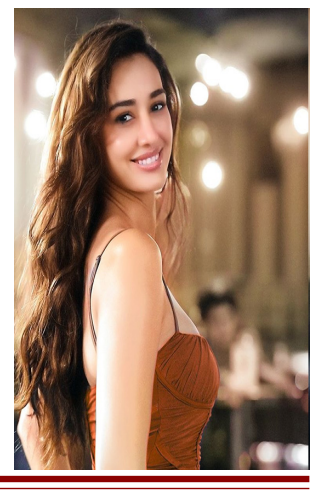

2 अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 स्टेशनों का

5 ये फ्री वाला उपाय डायबिटीज हो या कोलेस्ट्रॉल

7 दिशा पाटनी संग डेटिंग की खबरों पर सिंगर

2017 के बाद गन्ना किसानों को तीन लाख करोड़ का भुगतान : सीएम योगी

- अब किसानों को 5 मिनट में ई-केसीसी से ऋण- योगी
- मुख्यमंत्री ने किया ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 का विमोचन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस ने उत्तर प्रदेश में ऋण स्वीकृति की तस्वीर बदल दी है। अन्नदाता किसान जब पहले किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी के माध्यम से ऋण लेने जाता था, तो 25 दिन से लेकर एक महीने तक इंतजार करना पड़ता था लेकिन आज वही किसान ई-केसीसी के माध्यम से मात्र पांच मिनट में ऋण सुविधा प्राप्त कर रहा है। 2026-27 के लिए जो हमारा कृषि ऋण 3 लाख करोड़ है, यह पहले की तुलना में 13 फीसदी बढ़ा है। यही सुशासन है और इसी दिशा में हमें और मजबूती से आगे बढ़ना होगा।मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सरकार और अन्नदाता किसान मिलकर सोच रहे हैं कि आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस एआई का उपयोग खेती में कैसे किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई एफपीओ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन को मंच पर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संगोष्ठी में जो मॉडल प्रस्तुत किए गए, वे पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा हैं। दिव्यांगजनों द्वारा संचालित कसया मिल्क प्रोड्यूसर एफपीओ, जिसमें 1,005 सदस्य हैं, इसका जीवंत उदाहरण है। पूर्वी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों में, जिन्हें पहले कमजोर माना जाता था, दिव्यांगजनों ने अपनी मेहनत और क्षमता से नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह आंखें खोलने वाला काम है और इसके लिए वे सभी अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने मथुरा की 750 महिलाओं वाली सरसों उत्पादन कंपनी का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने स्वयं उनकी प्रदर्शनी देखी है। किस तरह मस्टर्ड ऑयल को प्रोसेसिंग से जोड़कर महिलाओं ने बेहतर मुनाफा कमाया, यह पूरे प्रदेश के लिए सीख है। सरकार इस तरह के प्रयासों को हर स्तर पर सहयोग देगी। सहकारिता क्षेत्र भी बदल रहा है। सहकार से समृद्धि की ओर के विजन के तहत डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी नीतियों से सहकारी संस्थाओं में सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जो विश्व बैंक के साथ एग्री-टेक के क्षेत्र में काम कर रहा है। कृषि, एमएसएमई, महिला, एग्री-टेक और युवा उद्यमिता आज सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की स्थिति को याद करते हुए कहा कि सहकारिता क्षेत्र में माफिया हावी था। रिजर्व बैंक ने 16 जिला सरकारी बैंकों को डिफाल्टर घोषित कर बंदी आदेश कर दिया था। हमारी सरकार में इन्हीं 16 में से 15 बैंक प्रॉफिट में आ चुके हैं और 16वें को भी प्रॉफिट में लाया जा रहा है। एमएसएमई सेक्टर में एक समय ऐसा था, जब उत्तर प्रदेश से बड़े पैमाने पर पलायन हो चुका था। हस्तशिल्प और निर्यात लगभग ठप थे और एमएसएमई सेक्टर बंदी की कगार पर खड़ा था। हमारी सरकार ने इसे एक जिला-एक उत्पाद ओडीओपी के रूप में आगे बढ़ाया। आज उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जो एमएसएमई सेक्टर को छ लाख का सुरक्षा बीमा दे रहा है। आज प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स कार्यरत हैं और लगभग 3 करोड़ परिवार इसी सेक्टर पर निर्भर हैं। टेक्नोलॉजी, मार्केट, पैकेजिंग , डिजाइनिंग से जोड़कर ओडीओपी को एक ब्रांड बनाया गया है। परिणाम यह है कि प्रदेश का निर्यात 84 हजार करोड़ से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री जब विदेश जाते हैं, तो राष्ट्राध्यक्षों को ओडीओपी प्रोडक्ट्स उपहार में देते हैं।उत्तर प्रदेश के एफपीओज की ताकत को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का जिक्र किया।

सस्ता सफर और जीरो कमीशन!

अमित शाह ने लॉन्च की भारत टैक्सी,सर्ज प्राइसिंग से मिलेगी मुक्ति

नईदिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'भारत टैक्सी' का शुभारंभ किया है, जो ओला-उबर को टक्कर देने वाला एक सहकारी राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है। यह सेवा ड्राइवरों (सारथी) को मालिक बनाकर शून्य कमीशन और बिना सर्ज प्राइसिंग के काम करेगी, जिससे ड्राइवरों का आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भारत टैक्सी का शुभारंभ किया। यह एक सहकारी स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म है जो ड्राइवरों को मालिक की तरह काम करने की सुविधा देता है, जिससे कमीशन शून्य हो जाता है और कीमतों में अचानक होने वाली बढ़ोतरी (सर्ज प्राइसिंग) समाप्त हो जाती है। इस सेवा का उद्देश्य उबर और ओला जैसे ऐप्स को टक्कर देना है। सहकारिता मंत्रालय ने भारत टैक्सी को परिवहन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल बताया है, जो ड्राइवरों (जिन्हें सारथी कहा जाता है) को स्वामित्व, संचालन और मूल्य सृजन के केंद्र में रखती है, जिससे वे शोषणकारी एग्रीगेटर-आधारित मॉडलों से मुक्त हो जाते हैं। लॉन्च कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी सेवा टैक्सी चालकों के लिए बड़ी सुविधा प्रदान करेगी और उन्होंने कहा कि टैक्सी क्षेत्र में औपचारिक रूप से सरकार नहीं, बल्कि सहकार प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली में प्रत्येक सारथी चालक टैक्सी का मालिक होगा और यह ढांचा एक क्रांतिकारी आर्थिक परिवर्तन लाएगा। गुजरात के अमूल की तरह, यह विश्व में अपनी तरह का एक अनूठा सहकारी मॉडल है। आपकी टैक्सी के पहिए सारथी समुदाय के लाभ के लिए चलेंगे - यही सहकारिता की भावना है। शाह ने आगे बताया कि भारत टैक्सी की परिकल्पना एक एकीकृत परिवहन मंच के रूप में की गई है जो दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया वाहन उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी सारथी दीदी महिला यात्रियों और चालकों की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि टैक्सी सेवा तीन वर्षों में शुरू हो जाएगी ।

सार संक्षेप

सदन में विपक्ष का हंगामा, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली : लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके तत्काल बाद ही सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में हुई चर्चा का प्रधानमंत्री द्वारा सदन में जवाब देने की परंपरा है, लेकिन गतिरोध की स्थिति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जवाब लोकसभा में नहीं हुआ और प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के कारण एक बार के स्थगन के बाद बैठक दोपहर 12 बजे शुरू हुई तो अध्यक्ष ओम बिरला ने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कराए। उन्होंने आसन के समीप प्रदर्शन कर रहे विपक्ष के सांसदों को बैनर नहीं दिखाने को कहा। शोर-शराबे के बीच ही उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 28 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में दिए गए अभिभाषण पर निचले सदन में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को पारित करने के लिए सदन के समक्ष रखा। हंगामे के बीच ही सभा ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को पारित कर दिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर नेता प्रतिपक्ष की बात नहीं सुनना चाहते थे प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली कांग्रेस ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि चार दिनों तक निचले सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जानबूझकर बोलने नहीं दिया गया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी उनकी बात सुनना नहीं चाहते थे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि विपक्ष में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी ने 10 जून, 2004 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सदन में बोलने से रोका गया था, जबकि उस वक्त राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा पूरी हुई थी। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया। धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में हुई चर्चा का प्रधानमंत्री द्वारा सदन में जवाब देने की परंपरा है, लेकिन गतिरोध की स्थिति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जवाब लोकसभा में नहीं हुआ और प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। रमेश ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, नेता प्रतिपक्ष को लोकसभा में बोलने से चार दिनों तक रोका गया।

पीएम मोदी का विपक्ष के वॉकआउट पर तंज

कांग्रेस सरकारों के पास न विजन था, न इच्छाशक्ति

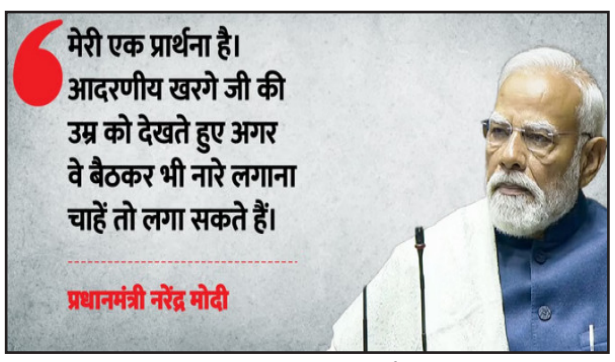

नई दिल्ली (एजेंसी) : प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में विपक्ष के वॉकआउट पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्रियों के पास न विजन था, न इच्छा शक्ति। इसके अलावा पीएम ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र को लेकर भी चुटकी ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र को लेकर चुटकी ली। उन्होंने कहा 'आदरणीय खरगे जी की उम्र को देखते हुए, अगर वे बैठकर भी नारे लगाना चाहें तो लगा सकते हैं। पीछे कई युवा नेता मौजूद हैं।' राज्यसभा में पीएम मोदी का संबोधन यहां क्लिक करके पढ़ें...

वॉकआउट पर विपक्ष को चेतावनी पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला करते हुए कहा 'जो लोग थक गए, वे चले गए। लेकिन इनसे सवाल करना जरूरी है कि देश की हालत ऐसी क्यों थी कि कोई भी देश हमसे समझौता करने नहीं आया। आपने कोशिश की होगी, लेकिन कोई आपके साथ काम करने को तैयार नहीं था।' कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्रियों के कामकाज पर पीएम मोदी का कटाक्ष कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्रियों के कामकाज पर टिप्पणी करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर आप लाल किले से कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों के भाषणों का विश्लेषण करें तो साफ दिखेगा कि न उनकी कोई स्पष्ट सोच थी, न विजन और न ही इच्छा शक्ति। इसका नतीजा देश को भुगतना पड़ा। पीएम मोदी ने कांग्रेस को याद दिलाई बोफोर्स डील, ळटउ पर लगाया घुसपैठ करवाने का आरोप पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस हो, टीएमसी हो, डीएमके हो, लेफ्ट हो, ये दशकों से केंद्र में सत्ता में रहे हैं। सत्ता के भागीदार रहे हैं। राज्यों में भी उन्हें सरकार चलाने का अवसर मिला है। लेकिन उनकी पहचान क्या बनी है। आज डील की चर्चा होती है तो गर्व से कहते हैं, तब बोफोर्स डील याद आता था। उन्होंने सिर्फ जेब भरने का काम किया। नागरिकों की जिंदगी में बदलाव उनकी प्राथमिकता नहीं थी। उन्होंने कहा कि एक हमारे माननीय सदस्य यहां बैठे बोल रहे थे। जिनकी सरकार शराब में डूब गई, जिनका शीशमहल घर-घर की आंखों में बैठ गए। ऐसे सभी साथियों से मैं कहूंगा कि तुम कितना दुनिया को धोखा दोगे, आईन देख लिया तो अपनी सच्चाई कहां छिपाओगे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस ने विश्वासघात करने के विषय में भी हमारे देश के अन्नदाता को भी नहीं छोड़ा। इस देश में 10 करोड़ किसान ऐसे हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से कम जमीन है। छोटे किसान हैं, उनकी तरफ कभी नहीं देखा गया। न ही उनके दिमाग में छोटे किसान का कोई महत्व था। उन्हें लगता था कि कुछ बड़े लोगों को संभाल लिया तो राजनीति चलती रहेगी। हमारे मन में छोटे किसानों के लिए दर्द था। हम जमीनी हकीकत से परिचित थे। इसलिए हम किसान सम्मान निधि लेकर आए। हमने अब तक 4 लाख करोड़ रुपये छोटे किसानों को दिया है। इससे उन्हें नए सपने देखने का सामर्थ्य मिला है।

मेघालय में दर्दनाक हादसा, अवैध कोयला खदान में भीषण विस्फोट से कई मजदूरों की मौत, रेस्क्यू जारी

शिलांग (एजेंसी): मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले के एक सुदूरवर्ती इलाके में गुरुवार को एक अवैध कोयला खदान में भीषण डायनामाइट विस्फोट होने ने एक न्यूज एजेंसी बताया कि यह एक डायनामाइट विस्फोट था। उन्होंने बताया कि खदान से अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि झुलसे हुए एक घायल व्यक्ति को इलाज के लिए शिलांग रेफर किया गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, एक पहाड़ी पर अवैध खनन किया जा रहा था। यह विस्फोट के कारण ढह गई, जिससे वहां काम कर रहे कई खनिक दब गए।इससे पहले 23 दिसंबर, 2025 को भी थांगस्को गांव में एक विस्फोट हुआ था, जिसमें दो खनिकों की जान चली गई थी। गौरतलब है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अप्रैल 2014 में मेघालय में खतरनाक रैट-होल कोयला खनन पर इसके अवैध और अवैज्ञानिक स्वरूप के कारण प्रतिबंध लगा दिया था। मेघालय हाई कोर्ट द्वारा कोयले से जुड़े मामलों की निगरानी के लिए नियुक्त किए गए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ब्रोजेंद्र प्रसाद काटाके ने कहा था।

कई मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल घायल हो गया है। वहीं अधिकारियों ने अंदेशा जताया है कि मलबे में और भी मजदूर फंसे हो सकते हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। विस्फोट की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता, फोरेंसिक विशेषज्ञ, राज्य आपदा मोचन बल और अग्निशमन सेवा की टीमें स्थिति का जायजा लेने के लिए मयन्संगट थांगस्को क्षेत्र में पहुंच गईं। ईस्ट जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार

अखिलेश भी बढ़ा सकते है ममता के ढर्रे पर कदम !

हर स्तर पर एसआईआर को लेकर सपा संघर्ष को तैयार

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर को लेकर समाजवादी पार्टी ने गम्भीर आरोप लगाया है। सपा का कहना है कि प्रक्रिया में भारी धांधली की जा रही है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव कहते हैं कि चुनाव आयोग और भाजपा आपस में मिले हैं। अखिलेश यादव का आरोप है कि सोची-समझी साजिश के तहत लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काटने की तैयारी कर रही है। यह काम जानबूझकर और संगठित तरीके से किया जा रहा है ताकि चुनावों को प्रभावित किया जा सके। चुनाव आयोग की नियमावली में जो नियम बने हैं, उनके अनुसार गड़बड़ी करने वालों पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। अखिलेश यादव का रुख काफी सख्त है। वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी की तरह आक्रामक अंदाज में लड़ाई को लड़ने की बात कह रहे हैं। सपा ने साफ कर दिया है कि वह चुप नहीं बैठेगी और हर स्तर पर विरोध करेगी। सपा का सबसे आरोप है कि फर्जी व प्रिंटिड फॉर्म 7 का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता या उनसे जुड़े लोग पहले से छपे हुए फॉर्म 7 कंप्यूटर से भरकर जमा कर रहे हैं, जिसमें फर्जी हस्ताक्षर, इपिक डिटेल्स या नाम डाले जा रहे हैं, गलत या अमान्य मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक-एक व्यक्ति 100-100 फार्म 7 जमा कर रहा है। उदाहरण के तौर पर लखनऊ के सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र में दशरथ नामक व्यक्ति के हस्ताक्षर से 100 से अधिक फॉर्म जमा हुए। सुल्तानपुर में नंदलाल के हस्ताक्षर बनाकर फार्म जमा किया गया जबकि वह अनपढ़ है, अंगूठा लगाता है।

भूमि देने में कोई आपत्ति नहीं पर बीएसएफ अधिकार क्षेत्र संबंधी नियम केंद्र को वापस लेना होगा : ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन केंद्र को पहले राज्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने फैसले को रद्द करना होगा। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने में राज्य सरकार के असहयोग के आरोपों के बीच

विधानसभा में बनर्जी ने कहा कि बीएसएफ सहित सभी केंद्रीय संगठनों और एजेंसियों को पहले ही भूमि आवंटित की जा चुकी है। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, भूमि कोई समस्या नहीं होगी। आपको भूमि मिल जाएगी, लेकिन पहले बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के मनमाने नियम को बदलें।

मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दी गई भूमि का पूरा डेटा उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। शाह ने हाल में आरोप लगाया था कि राज्य सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा रहा है।

बिरला का दावा पूरी तरह झूठ, स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अप्रत्याशित घटना को अंजाम देने की विपक्षी सदस्यों की योजना संबंधी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दावे को पूरी तरह झूठ करार दिया और दावा किया कि श्श्प्रधानमंत्री अब स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं। प्रियंका ने यह आरोप भी लगाया कि यह बकवास बात है कि कुछ महिला सांसदों के खड़े होने के कारण प्रधानमंत्री सदन में आने की हिम्मत नहीं कर पाए। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, यह पूरी तरह झूठ है। प्रधानमंत्री पर हाथ उठाने या उन्हें चोट पहुंचाने या ऐसी किसी चीज का कोई सवाल ही नहीं है। इसलिए, किसी के लिए भी यह कहना कि ऐसी कोई योजना थी, बिल्कुल गलत है। ऐसी कोई योजना नहीं थी। उनका कहना था, यदि आप अपने सदस्यों को खड़े होकर बकवास करने की अनुमति देंगे, तो विपक्ष के लोग विरोध करेंगे।

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा अध्यक्ष के पीछे छिप रहे हैं और यह सब वह स्पीकर से कहलवा रहे हैं। उन्होंने कहा, कल उनकी (प्रधानमंत्री मोदी की) सदन में आने की हिम्मत नहीं हुई क्योंकि उनकी बेंच के सामने तीन महिलाएं खड़ी थीं, यह क्या बकवास है? आप (पत्रकार) सरकार से यह क्यों नहीं पूछते कि विपक्ष के नेता को बोलने की इजाजत क्यों नहीं है? आप अमित शाह या प्रधानमंत्री मोदी से क्यों नहीं पूछते? प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि क्या सरकार के पास उन्हें (राहुल गांधी को) किसी प्रकाशित स्त्रोत को उद्धृत करने से रोकने का कोई आधार है? कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने श्एक्सश्र पर पोस्ट किया।

विपक्ष के कुछ सदस्य अप्रिय घटना को देना चाहते थे अंजाम, बिरला बोले- मेरे आग्रह पर सदन में नहीं आए प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि कल सदन में विपक्ष के कई नेता नेता सदन के आसन के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में नहीं आए। बिरला ने यह भी कहा कि बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने उनके चौंबर में आकर जिस तरह का व्यवहार किया, वैसा लोकसभा की शुरूआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ और यह दृश्य एक श्काले धब्बेश की तरह था। लोकसभा की बैठक विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे पुनरू शुरू हुई तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कल श्श्सदन के नेता (प्रधानमंत्री मोदी) को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था। मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य नेता सदन के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकते थे। मैंने यह दृश्य सदन में देखा भी। अगर ऐसी घटना हो जाती तो यह अत्यंत अप्रिय दृश्य देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देता। अध्यक्ष ने कहा, इसे टालने के लिए मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया उन्हें सदन में नहीं आना चाहिए। अध्यक्ष होने के नाते मेरी जिम्मेदारी बनती थी कि सदन की उच्च परंपराओं और गरिमा को अक्षुण्ण बनाकर रखूं। सदन के नेता सदन में नहीं बोलें, यह सभा के लिए किसी प्रकार उचित नहीं है। बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सदन में नहीं आकर उनके आग्रह को मानते हुए सदन को अप्रिय दृश्य से बचाया और इसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने यह भी कहा, कल की घटना देश ने देखी है कि किस तरह महिला सदस्य वहां (प्रधानमंत्री के बैठने के स्थान) तक पहुंची हैं। यह किसी तरह उचित नहीं था। सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं था। आप सदन की गरिमा को गिराना चाहते हैं। आप शब्दों से बात कह सकते हैं, आरोप लगा सकते हैं। लेकिन आप इधर (सत्तापक्ष की तरफ) आकर जिस तरह कर रहे हैं, यह उचित नहीं है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री द्वारा बुधवार को सदन में दिए जाने की संभावना थी। बृहस्पतिवार को लोकसभा ने धन्यवाद प्रस्ताव को बिना प्रधानमंत्री के जवाब के पारित कर दिया। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कल कुछ लोकसभा सदस्यों ने उनके चौंबर में इस तरह का व्यवहार किया जो निम्न सदन की शुरूआत से लेकर आज तक कभी तक नहीं हुआ।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 स्टेशनों का काम पूरा हुआ : अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर,: स्टेशन का पुनर्विकास - रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के दीर्घकालिक पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों के सुधार हेतु मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन करना शामिल है। मास्टर प्लान में - स्टेशन और आवागमन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों हिस्सों से जुड़ाव, स्टेशन भवन का सुधार, प्रतीक्षा कक्षों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था और पानी के बूथों में सुधार, यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े फुट ओवरब्रिज/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान, लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप की व्यवस्था, प्लेटफार्म की सतह में सुधार/उपलब्धता और प्लेटफार्म के ऊपर आवरण का प्रावधान, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था करना, पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकतानुसार ए?जीव?युटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्धारित स्थान, हरियाली आदि की व्यवस्था करना आदि बातें शामिल हैं। इस योजना में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार बैलास्टलेस ट्रैक का प्रावधान, चरणबद्ध कार्यान्वयन और व्यवहार्यता के साथ-साथ दीर्घकालिक रूप से स्टेशन पर शहर केंद्र का निर्माण जैसी परिकल्पनाएं भी शामिल हैं। अब तक इस योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है। फिलहाल, 172 स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है। पुलों की सुरक्षा - भारतीय रेलवे (आईआर) द्वारा देशभर के पुलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आईआर में रेलवे पुलों के निरीक्षण की एक सुस्थापित प्रणाली है। सभी पुलों का निरीक्षण वर्ष में दो बार नामित अधिकारियों द्वारा किया जाता है, एक बार मानसून शुरू होने से पहले और एक बार मानसून के बाद विस्तृत निरीक्षण। इसके अतिरिक्त, मुख्य पुल अभियंता (सीबीई) द्वारा निर्धारित स्थिति के आधार पर कुछ पुलों का निरीक्षण अधिक बार भी किया जाता है। महत्वपूर्ण और बड़े पुलों का व्यापक तकनीकी निरीक्षण इस प्रकार किया जाता है कि ऐसे 20 प्रतिशत पुलों का निरीक्षण प्रतिवर्ष किया जाता है। पुलों की मरम्मत/मजबूतीकरण/पुनर्वास/पुनर्निर्माण एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है और यह पुलों के निरीक्षण के आधार पर की जाती है। 2022-2025 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान, भारतीय रेलवे में 8,626 रेलवे पुलों की मरम्मत/पुनर्वास/मजबूतीकरण/पुनर्निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त, कुछ रेलवे पुलों की स्थिति के आधार पर उनका निरीक्षण अधिक बार किया जाता है। रेलवे पुलों की मरम्मत/मजबूतीकरण/पुनर्निर्माण एक सतत प्रक्रिया है और निरीक्षण के दौरान उनकी भौतिक स्थिति के आधार पर आवश्यकतानुसार की जाती है। विशेष तकनीकी ऑडिट भी किया जाता है और अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है। सबवे/आरयूबी का निरीक्षण मानसून शुरू होने से पहले और बाद में किया जाता है। रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) और सबवे में जलभराव को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जैसे कि नए डिजाइनों में बेहतर जल निकासी व्यवस्था, पानी को प्राकृतिक नालियों में मोड़ना, हंप और क्रॉस-ड्रेन बनाना, जोड़ों को सील करना और संवेदनशील स्थानों पर उच्च क्षमता वाले पंप लगाना। भारतीय रेलवे पुल नियमावली (आईआरबीएम) में पुल पुनर्निर्माण कार्यों की कार्यप्रणाली दी गई है। अनुबंध प्रबंधन और अनुबंध की सामान्य एवं विशेष शर्तों के माध्यम से गुणवत्ता आश्वासन योजना (क्यूएपी) और निरीक्षण एवं परीक्षण योजना (आईटीपी) का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। निष्पादन एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दोष दायित्व अवधि तक सुरक्षा जमा राशि को रोके रखने और अनुबंध समाप्त करने जैसे दंडात्मक प्रावधानों को शामिल किया गया है। पुल निर्माण कार्य का पूरा होना स्थान, प्रकार, योजनाओं की स्वीकृति, पहुंच मार्ग की उपलब्धता, जलवायु परिस्थितियों के कारण वर्ष में कार्य मौसम की अवधि, ब्लॉकों की उपलब्धता, गति प्रतिबंध आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। कोच निर्माण - वर्तमान में, रेल मंत्रालय के अधीन देश में तीन कोच निर्माण इकाइयां कार्यरत हैं। कोच निर्माण इकाइयों के विकास की लागत स्थान, निर्मित किए जाने वाले कोचों के प्रकार, नियोजित उत्पादन क्षमता और स्थापित की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र जैसे कारकों पर निर्भर करती है। कोच निर्माण इकाइयों के विकास पर व्यय लंबी अवधि में और कई चरणों में होता है, जिसमें इकाइयों की प्रारंभिक स्थापना के साथ-साथ समय-समय पर सुविधाओं का उन्नयन और विस्तार भी शामिल है। उदाहरण के लिए, रायबरेली स्थित नवीनतम कार्यरत कोच निर्माण इकाई - मॉडर्न कोच फैक्ट्री - की स्थापना पर 3,042.83 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है। इसके अतिरिक्त, तीन कार्यरत कोच निर्माण इकाइयों, अर्थात इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई, रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला और मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली के उन्नयन/विस्तार से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं के लिए 2443 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। एलएचबी कोच - एलएचबी कोचों के बढ़ते उपयोग के संबंध में यह उल्लेख किया गया है कि आईसीएफ कोचों को अधिक सुरक्षित और आधुनिक एलएचबी कोचों से बदलने का कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया है। तकनीकी रूप से उन्नत एलएचबी कोचों में बेहतर सवारी, बेहतर सौंदर्य और हल्के वजन का डिजाइन, चढ़ाई रोधी विशेषताएं, विफलता संकेत प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (सेकेंडरी), स्टेनलेस स्टील का ढांचा और डिस्क ब्रेक प्रणाली जैसी विशेषताएं हैं।

विवाहिता को घर से निकाला, कई बार कराया गर्भपात, अब बाइक और दो लाख की मांग

कानपुर। चौबेपुर में महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर बेटे की चाहत में जबरन गर्भपात कराने और दो बेटियों के जन्म के बाद घर से निकालने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कानपुर में चौबेपुर

के अमिलिहा गांव निवासी वंदना ने पुत्र की चाहत में कई बार गर्भपात कराने व पुत्र का जन्म न होने पर पति समेत ससुराल के छह लोगों पर मारपीटकर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही। अमिलिहा गांव निवासी वंदना सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसकी शादी 14 फरवरी 2016 को साढ़ थाना क्षेत्र के मौसिमपुर गांव निवासी भूपेंद्र उर्फ कल्लू सिंह के साथ हुई थी। वह कई बार गर्भवती हुई, अल्ट्रासाउंड में बेटी होने का पता चलने पर उसका गर्भपात कराया गया। इस बीच उसने दो बेटियों को जन्म दिया। बाइक और दो लाख रुपये की मांग कर रहे हैं ससुराली बेटे का जन्म न होने पर ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे। 28 अगस्त 2025 को उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। तब से वह मायके में रह रही है। अब ससुराल वाले दहेज में बाइक और दो लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। उधर, प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि तहरीर पर पति भूपेंद्र सिंह, सास पुष्पा, जेठ शैलेंद्र सिंह, जेठानी सुनैना, देवर नागेंद्र व नंद मंजू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

टिनिच रेलवे लाइन के पास के गांवों में की गई पूछताछ

गौर। पूर्वोत्तर रेलवे के टिनिच रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस पर हुए पत्थरबाजी की घटना को लेकर पुलिस टीम का जांच अभियान जारी है। आसपास के गांवों में बुधवार को भी आरपीएफ और जीआरपी टीम पत्थरबाजों की पहचान करने के लिए कई लोगों से पूछताछ की। बुधवार को संयुक्त टीम रेलवे लाइन के आसपास के गांवों व चौराहों पर पहुंचकर कई लोगों से पूछताछ की और घटना का पदार्फाश करने के लिए लगातार लोगों से संपर्क कर प्रयास में जुटी है। 30 जनवरी को गोरखपुर-गोंडा रेलखंड के बीच स्थित टिनिच रेलवे स्टेशन के पास जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन पर किसी ने पत्थर फेंक दिया था। इससे एस-3 कोच में यात्रा कर रहे एक यात्री घायल हो गया था। रेलवे कंट्रोल की सूचना आरपीएफ पुलिस बस्ती ने अज्ञात पर प्राथमिक दर्ज कर मामले की जांच में जीआरपी और आरपीएफ की टीम जुटी है। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह व आरपीएफ उप निरीक्षक सुनील कुमार कसाना, लाल साहब सिंह, हेड कांस्टेबल विजय यादव, कांस्टेबल राकेश कुमार राय, विजय यादव ने संयुक्त रूप से लगातार घटनास्थल का दौरा किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को

बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार दिनांक 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में वाहन चालक कर सकते हैं लंबित चालान का भुगतान राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय, कलक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में होगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, परकाम्य लिखत अधिनियम की धारा-138 से संबंधित मामले, बैंक वसूली से संबंधित मामले, मोटर दुर्घटना से संबंधित प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों, पारिवारिक वादों, भूमि अधिग्रहण से संबंधित वादों का निपटारा किया जाएगा।

जमीन दोबारा बेचने के आरोपी गिरफ्तार

मुंडेरवा(बस्ती)। बिकी जमीन को दोबारा बेचने के आरोपी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है।थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम देवरिया थाना मुंडेरवा निवासी कृष्ण कुमार ने दो नवंबर 2025 को तहरीर देकर कहा था कि परमात्मा प्रसाद (44) निवासी ग्राम सेल्हरा थाना लालगंज, राजकुमार (42) निवासी भरवलिया ऊर्फ टिकुइया थाना धनघटा जिला संतकबीरनगर आदि ने पूर्व में बिकी भूमि को दोबारा छल-कपट से वादी मुकदमा के नाम बैनामा कर दिया। उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों पर उसी समय प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना कुरियार बाजार दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र की युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि एक फरवरी को नगर थाना क्षेत्र के तिलकपुर निवासी आरोपी रजनीश के परिवार के लोगों के कहने पर उसके घर पर गई थी। रुपये देकर सुलह-समझौता करने का दबाव बनाया गया, तैयार न होने पर गाली दी गई।

ग्रीन औद्योगिक उत्कृष्टता में गोरखपुर कारखाना अव्वल, गोरखपुर यांत्रिक कारखाना ग्रीनको प्लेटिनम प्रमाणन से सम्मानित

गोरखपुर,: भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा 05 फरवरी, 2026 को यांत्रिक कारखाना में आयोजित कार्यक्रम में यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर को ग्रीनको रेटिंग के प्रमाणीकरण हेतु प्लेटिनम स्तर का प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। यह प्रतिष्ठित प्रमाण पत्र पर्यावरणीय स्थिरता, संसाधन संरक्षण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में कारखाने के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु दिया गया। ग्रीनको मूल्यांकन के दौरान कारखाने ने ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, अक्षय ऊर्जा के उपयोग, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, अपशिष्ट प्रबंधन, सामग्री संरक्षण एवं पुनर्चक्रण, हरित आपूर्ति श्रृंखला, हरित अवसंरचना तथा पर्यावरणीय नवाचार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री नरेश कुमार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों, ग्रीनको टीम प्रभारीयों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने ऊर्जा, जल संरक्षण, अपशिष्ट निस्तारण एवं हरित संरचना के क्षेत्र में नवीनीकरण एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया, जिससे यांत्रिक कारखाना गोरखपुर वर्ष 2030 तक कार्बन न्यूट्रल कारखाना बन सके। मुख्य कारखाना प्रबंधक, गोरखपुर श्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआइ) के प्रतिष्ठित ग्रीनको (ळतममदब्ब)

प्लेटिनम प्रमाणीकरण को प्राप्त करने वाला यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर अग्रणी कारखाना बनकर उभरा है। यह उपलब्धि कारखाने द्वारा पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन, अक्षय ऊर्जा के उपयोग तथा अपशिष्ट न्यूनिकरण जैसे क्षेत्रों में निरंतर किए जा रहे अभिनव एवं परिणामोन्मुख प्रयासों की सशक्त पहचान है। ग्रीनको प्लेटिनम प्रमाणन कारखाने की आधुनिक कार्य प्रणाली, उच्च गुणवत्ता मानकों, सुदृढ़ टीम भावना तथा हरित एवं सतत औद्योगिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करता है। यह उपलब्धि न केवल कारखाने को गौरवान्वित करती है, बल्कि हरित प्रौद्योगिकी, संसाधन दक्षता एवं पर्यावरणीय नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार भी खोलती है। इससे भविष्य में कारखाने को देश की अग्रणी एवं पर्यावरण-अनुकूल यांत्रिक कार्यशालाओं में विशिष्ट और सुदृढ़ पहचान मिलेगा। हाल में किए गए नवाचारपूर्ण सुधारों तथा कार्यशैली में किए गए सकारात्मक परिवर्तन इस सफलता के प्रमुख आधार रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (प्लांट) श्री एच.आर. खान ने ग्रीनको रेटिंग के अंतर्गत ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं हरित अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में विगत तीन वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सीआईआई प्रतिनिधि श्री मनीष पांडेय, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर श्री सतेंद्र कुमार वर्मा, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य श्री अनुज मिश्रा, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री सी.वी. श्रीवास्तव, मंडल इंजीनियर श्री प्रकाश चंद्र, ग्रीनको को-ऑर्डिनेटर श्री मयंक त्रिपाठी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गोली लगने से घायल कुत्ते का होगा ऑपरेशन निकाली जाएगी चेस्ट में फंसी गोली ड्रेसिंग से नहीं मिली थी राहत

आजमगढ़। डॉक्टरों की ओर से किये गए एक्स-रे में फंसी हुई गोली साफ दिखाई दे रही है। आजमगढ़ पॉली क्लिनिक से उसे रेफर कर दिया गया है। बृहस्पतिवार को ऑपरेशन के बाद चेस्ट में फंसी गोली को बाहर निकाला जाएगा। आजमगढ़ के अहरौला थाना क्षेत्र के बस्ती भुजबल गांव में सोमवार की रात भौंकने पर मनबढ़ों की ओर से कुत्ते को दो गोली मारने के बाद उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। एक गोली कान के नीचे से चीरते हुए निकल गई, जबकि दूसरी गोली उसके सीने में फंसी हुई है। अब फैजाबाद या लखनऊ के किसी मेडिकल कॉलेज में उसका ऑपरेशन किया जाएगा। चेस्ट में फंसी गोली निकाली जाएगी। कुत्ते के मालिक हिमांशु शुक्ला ने बताया कि आजमगढ़ में 10 डॉक्टरों की टीम ने गोली लगने के बाद उसका उपचार किया। कुत्ता विदेशी नस्ल का है, जिले पर संसाधनों की कमी से चेस्ट में फंसी गोली निकालने के लिए

ऑपरेशन नहीं हो सका है। पांच फरवरी को ऑपरेशन का डेट दिया गया है जो या तो लखनऊ या फैजाबाद नरेंद्र देव मेडिकल कॉलेज में ही संभव है। डॉक्टरों ने बताया है कि बड़ा ऑपरेशन होना है फिलहाल कुत्ता न कुछ खा पा रहा है न बोल पा रहा है। दवा और इंजेक्शन दिया गया है, जिससे दर्द से राहत है। लेकिन, फिर भी कुत्ते में बेचैनी है, आज घर पर ही इसकी ड्रेसिंग कराई गई है। बस्ती भुजबल गांव निवासी ऋषू (17) पालतू कुत्ते को भोजन कराने के बाद दरवाजे के सामने टहला रहा था। तभी गांव के दीपक चौबे व विवेक चौबे अपने कुत्ते को लेकर पहुंचे। जहां कुत्ते को देखकर हृदय नारायण शुक्ला का कुत्ता भौंकने लगा। उक्त दोनों लोग ऋषू शुक्ला को गाली देने लगे। ऋषू ने गाली का विरोध किया तो बात आगे बढ़ गई। इसी से नाराज दीपक चौबे ने पिस्टल निकाल कर फायर कर दिया। उसी पिस्टल को लेकर दूसरा फायर विवेक चौबे ने किया दोनों गोली ऋषू के बचाव में आए कुत्ते को लग गई। हृदय नारायण शुक्ला ने गांव के दीपक चौबे और विवेक चौबे के नाम से प्राथमिकी दर्ज कराई है। फिलहाल हृदय नारायण शुक्ला के घर पर सुरक्षा की दृष्टि से दो कांस्टेबलों की ड्यूटी लगाई गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। तलाश की जा रही है।

छात्रों को बेल्ट-डंडों से पीटने का मामला कॉलेज के तीन शिक्षक गिरफ्तार पुलिस ने भेजा जेल

कानपुर। मंधना स्थित महाराणा प्रताप कॉलेज में देरी से आने पर छात्र-छात्राओं को बेल्ट व डंडों से पीटने के आरोपी तीन शिक्षकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस घटना में 10 छात्र घायल हुए थे, जिसके

बाद पुलिस ने छात्र की तहरीर पर कार्रवाई सुनिश्चित की है। कानपुर के महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज मारपीट मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने तीन आरोपी शिक्षकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। छात्र की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में सख्ती दिखाते हुए पुलिस ने यह कदम उठाया है। अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर जांच जारी है। दरअसल, बुधवार सुबह मंधना स्थित महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज में देर से कॉलेज पहुंचने पर टीचरों द्वारा छात्रों और छात्राओं की डंडों व बेल्ट से पिटाई का आरोप लगा था। घटना में 10 छात्र-छात्राएं घायल हुए थे, जिनमें एक छात्रा का हाथ फ्रैक्चर हो गया था। घटना के बाद कॉलेज परिसर में हंगामा, नारेबाजी और तोड़फोड़ हुई थी।

सेंट्रल स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के गैप में समाने वाली थी महिला यात्री

कानपुर। कानपुर सेंट्रल के प्लेटफॉर्म नंबर-पांच पर आरपीएफ कांस्टेबल विनोद कुमार यादव ने चलती ट्रेन से गिर रही 56 वर्षीय महिला यात्री को सुरक्षित खींचकर उनकी जान बचाई। कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-पांच पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में एक बुजुर्ग महिला फिसलकर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच के जानलेवा गैप में गिरने ही वाली थी। तभी वहां तैनात आरपीएफ कांस्टेबल विनोद कुमार यादव ने पलक झपकते ही महिला को अपनी ओर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार की है। गाड़ी संख्या 20802 मगध एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर-पांच से पटना के लिए रवाना हो चुकी थी। इसी दौरान मेस्टन रोड निवासी अनवर जहां (56) ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, लेकिन पैर फिसलने के कारण वह अनियंत्रित होकर ट्रैक की ओर जाने वाले गैप में गिरने लगीं। ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल विनोद कुमार यादव ने गिर रही महिला का हाथ पकड़कर उन्हें बाहर खींच लिया। परिजनों ने जताया आभार हादसे के बाद आरपीएफ स्टाफ महिला और उनके बेटे आमिर को थाने लेकर आए। अनवर जहां अपने बेटे के साथ पटना जाने वाली थीं। उन्होंने बताया कि ट्रेन छूटने के डर से उन्होंने चढ़ने का प्रयास किया था, जो भारी पड़ गया।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वोत्तर रेलवे के 99.18 रूट किमी. पर ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम लगाया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन वन्य जीव प्राणियों (हाथियों) की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। गाड़ी संचलन के दौरान रेल ट्रैक पर आने वाले हाथियों के बचाव हेतु नई तकनीक ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग कर रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के 99.18 रूट किमी. पर ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम लगाया जायेगा। ए.आई. इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम के द्वारा हाथियों की सुरक्षा बेहतर होगी। यह सिस्टम डिस्ट्रीब्यूटेड एकॉस्टिक सेंसर (डैस) के जरिये ट्रैक पर हाथियों के मौजूदगी का पता लगाता है। यह सिस्टम ऑप्टिकल फाइबर और पहले से फीड किये गये हाथियों की चाल के सिग्नेचर के आधार पर काम करता है और लोको पायलट, स्टेशन मास्टर एवं कंट्रोल रूम को तुरंत मैसेज भेजता है, ताकि समय रहते ट्रेन रोकी जा सके और हाथियों को बचाया जा सके। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के 99.18 रूट किमी. पर यह सिस्टम लगाया जायेगा। पहले चरण में यह प्रणाली 24 रूट किमी. पर लगाई जा रही है, जिसमें लालकुआं-गुलरभोज 15.8 किमी., छतरपुर-हल्दी रोड 1.2 किमी., हल्दी रोड-लालकुआं 2.7 किमी., पंतनगर-लालकुआ 1.2 किमी., लालकुआं-हल्द्वानी 3.2 किमी. सम्मिलित है। काशीपुर-रामनगर तथा खटीमा-बनबसा खंड पर भी इसे लगाये जाने की प्रक्रिया चल रही है। रेलवे और वन विभाग की टीम मिलकर हाथियों को बचाने हेतु स्पीड लिमिट, साइन बोर्ड, अंडरपास, बाड़, हनी बी बजर डिवाइस तथा थर्मल कैमरों जैसे कई उपाये भी लागू कर रहे है, जिससे जंगली जानवरों को बचाना के साथ रेल संरक्षा को सुदृढ़ करना है। इसके लिए रेलवे प्रशासन द्वारा एलिफेंट कॉरिडोर बनाया गया है, जिससे प्रतिबंधित क्षेत्र में वन्यजीवों के साथ कोई दुर्घटना ना हो, इसके लिए भारतीय रेलवे तकनीक के जरिए ट्रैक पर वन्यजीवों, खासकर हाथियों के बचाव के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर, : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 04 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, गोरखपुर व अपराध आसूचना शाखा के संयुक्त निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं. 1 पर एक शातिर बाल अपराधी को यात्रियों से चुराये हुए 02 मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। 02 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं. 15707 में 16 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 04 फरवरी, 2026 को गाड़ी सं. 2555 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट द्वारा निगरानी के दौरान 11 वर्षीय एक लड़के को लावारिस हालत में पाकर उसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, लखनऊ जं. को सौंपा गया, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 03 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, सीतापुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के परिसर में यात्री का गिरा हुआ एक मोबाइल मिला, जिसे सीतापुर पोस्ट पर जमा किया गया। 04 फरवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया। 26 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, गोमतीनगर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं. 22345 में महिला यात्री का छूटा एक पर्स मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा किया गया। 04 फरवरी, 2026 को महिला यात्री के परिचित के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त पर्स सुपुर्द किया गया। 04 फरवरी, 2026 को गाड़ी सं. 15008 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे बस्ती पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 12 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं. 15909 में महिला यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा कराया गया। 04 फरवरी, 2026 को महिला यात्री के मित्र के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

दुष्कर्म के आरोप में फंसाने की धमकी

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव निवासी दिलशाद हसन खान ने थाने में तहरीर देकर एक महिला पर दुष्कर्म के आरोप में फंसाने का आरोप लगाया है। दिलशाद ने तहरीर में कहा है कि 15 जनवरी की दोपहर करीब 3:30 बजे वह बाइक से जा रहा था। वन विहार व केंद्रीय विद्यालय के बीच विपक्षियों ने उसे रोक लिया। जमीन से जुड़े मुकदमे की पैरवी करने पर जान से मारने की धमकी दी। कटरा मोहल्ले की रहने वाली शमा खान उर्फ शमीम बानो ने दुष्कर्म के आरोप में फंसाने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

छेड़खानी के आरोप में तीन पर प्राथमिकी

बस्ती। हरैया पुलिस ने छेड़खानी के आरोप में तीन लोगों पर बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के कुर्तिया की रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि एक फरवरी की सुबह करीब 7:30 बजे कोर्ट में विचाराधीन जमीन पर विपक्षी टिन शेड रखने लगे। मना करने पर उसका सीमेंटेड टिन शेड तोड़कर नुकसान पहुंचाने लगे। इस दौरान सूरज ने उसके साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर लात, मुक्का और थप्पड़ से उसकी पिटाई की गई। जान से माने की धमकी भी दी। विवेचक देवी प्रसाद गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आरोप पर गांव के ही नीरज, सूरज और जयराम पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

बाइक सवार को मनबढ़ों ने पीटा

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के ग्राम पोखरा बाजार में बाइक पर बैठते समय चालक का पैर दूसरे युवक को छू जाने के विवाद में कुछ लोगों ने चालक को सरिया व रॉड से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एक नामजद समेत कुछ अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मटिहनिया निवासी सुभाष चौधरी ने नगर पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह संजय गुप्ता के साथ अपने रिश्तेदारी में चिलमा बाजार जा रहा था। रास्ते में नगर थाना क्षेत्र के ग्राम पोखरा बाजार में रुक कर चाय पीकर बाइक पर बैठने जा रहा था, तभी उसका पैर पोखरा बाजार निवासी पकालू के पैंट में लग गया। इसी बात पर कहासुनी हो गई। नाराज होकर पकालू ने अन्य अज्ञात लोगों को बुला लिया और सरिया के रॉड से पिटाई करने लगा। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है।

ट्रक पलटने से महिला समेत तीन लोग घायल

कप्तानगंज। थाना क्षेत्र के ककुआ राउत गांव के पास बुधवार की रात करीब 7:45 बजे प्याज लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक उसकी पत्नी समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना के पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजवाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, नासिक महाराष्ट्र से प्याज लादकर एक ट्रक पश्चिम की बंगाल जा रहा था। जैसे ही ट्रक कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ककुआ राउत गांव के पास पहुंचा, तभी ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया।

इकलौते बेटे के जनाजे से लिपटकर रोई मां,चाइनीज मांझे से गई थी जान

लखनऊ,(संवाददाता)।राजधानी लखनऊ में चाइनीज मांझे की वजह से जान गंवाने वाले शोएब का जनाजा गुरुवार को उठा। घर के इकलौते बेटे की लाश देखने के बाद बूढ़ी मां बदहवास हैं। पत्नी का रोते-रोते बेहोश हो जा रही थी। सुध-बुध खो बैठी पत्नी होश में आने पर बस इतना ही कह पा रही थी कि देखो, सोते हुए कितने स्मार्ट लग रहे हैं। कोई इन्हें उठाओ। पत्नी की बात चीख सुनकर मौजूद हर किसी की आंखें नम हो जा रही थी। दुबग्गा के शीते विहार कॉलोनी में शोएब का घर है। 4 फरवरी को चाइनीज मांझे से गर्दन कटने से उनकी मौत हो गई थी। गुरुवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद उनका शव घर पहुंचा। घर पर रिश्तेदार-पड़ोसियों की भीड़ लगी थी। शोएब की 2 बेटियां हैं। बड़ी बेटी 6 साल की है। पापा का शव देखकर वह भी रोए जा रही थी। जबकि 2 वर्षीय छोटी बेटी घर में अचानक से लोगों की भीड़ और सफेद कपड़े में लपेटकर रखे पापा को निहार रही थी। पड़ोसी बताते हैं कि शोएब ने 5 महीने पहले एक घर खरीदा था। उसका रेनोवेशन कराकर परिवार के साथ रह रहे थे। वह अपनी बेटियों को खूब पढ़ाना चाहते थे। चाहते थे कि दोनों बेटियां अफसर और डॉक्टर बनें।

ड्रॉप बॉक्स से चेक चोरी कर एक लाख निकालने वाला पकड़ा

■अमृतसर से अपराध शाखा पकड़कर लाई

■ ग्वालियर

बैंक के ड्राप बॉक्स से चेक चोरी करने के बाद दूसरी बैंक से

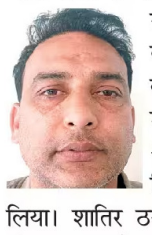

रकम निकालने वाले शातिर ठग को अपराध शाखा ने अमृतसर से गिरफ्तार कर लिया। शातिर ठग ने चेक कैसे चोरी किया और उसे बैंक से कैसे भुना लिया पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है। ठग की करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई थी और पुलिस उसकी सगरमी से तलाश में जुटी हुई थी।

सरस्वती शिशु मंदिर नदी गेट की प्राचार्या कल्पना सिकरवार का एक लाख रुपए का पे चेक पंजाब नेशनल बैंक की अचलेश्वर मंदिर रोड शाखा से 11 नवम्बर को ड्राप बॉक्स से चोरी होने के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा जिंसी नाला से उसका भुगतान कर लिया गया था। पुलिस उक्त घटना के बाद से ठग को पकड़ने के लिए लगातार प्रयासरत थी। अपराध शाखा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चेक चोरी करने के बाद रकम निकालने वाला ठग इस समय अमृतसर में है। पुलिस ठग को पकड़ने के लिए अमृतसर पहुंची जहां दबिश देकर रजनीश पुत्र जवाहर लाल चौहान 44 वर्ष निवासी साहिब जादा फतेहसिंह नगर गेट हकीमा अमृतसर पंजाब को पकड़ लिया। पकड़े गये रजनीश ने चेक चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने पकड़े गए ठग से घटना के बारे में पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसके साथ गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

दो होटलों में रुका था आरोपी

इन्दरगंज थाना पुलिस रजनीश ने शहर में कहां पर शरण ली थी, उसकी पड़ताल कर रही थी। जांच के दौरान पता चला कि रजनीश पुरानी छावनी और रेसकोर्स रोड स्थित होटल में ठहरा था। दोनों होटलों में ही उसने वही पहचान पत्र लगाया था जो उसने रकम निकालने के लिए इस्तेमाल किया था। पुलिस अब ठग से यह पता लगा रही है कि अमृतसर से शहर में आने के लिए कौन माध्यम है।

चेक चोरी करने के दौरान के फुटेज नहीं

पंजाब नेशनल बैंक की जिस शाखा से रजनीश ने चेक चोरी किया था उसमें सीसीटीवी लगे हुए हैं। हैरानी की बात है कि तीन मिनट के फुटेज बैंक के पास मौजूद नहीं हैं और इसी समय रजनीश चौहान ने चेक चोरी किया था। पुलिस बैंक में सीसीटीवी उसी दौरान क्यों बंद हुआ, उसकी भी पड़ताल कर रही है।

इनका कहना है

बैंक से चेक चोरी करने के बाद उससे रकम निकालने वाले शातिर ठग को पकड़ लिया है। ठग को पकड़ने के लिए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों का भी सहारा लिया है।

धर्मवीर सिंह
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

मरीजों की कसौटी पर खरा उतरने की तैयारी, जिला अस्पताल की 28 को परीक्षा

■ ग्वालियर

जिला चिकित्सालय मुरार, ग्वालियर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अनुरूप तैयार करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक एक ऐसी व्यवस्था है, जिसके अंतर्गत शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में रोगियों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसका मुख्य उद्देश्य रोगियों के अधिकारों की रक्षा, बेहतर चिकित्सकीय सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण, सहायक सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा समग्र उपचार परिणामों में सुधार करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि 28 फरवरी को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक की टीम जिला चिकित्सालय मुरार का भ्रमण करेगी तथा निरीक्षण के उपरांत अपनी रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी। सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय मुरार, डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि जिला चिकित्सालय की पूरी टीम राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों की तैयारी में पूरी लगन और निष्ठा के साथ जुटी हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला चिकित्सालय मुरार शीघ्र ही देश के मान्यता प्राप्त एवं गुणवत्तापूर्ण अस्पतालों की सूची में शामिल होगा। उन्होंने आगे बताया कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा सभी चिकित्सा अधिकारी एवं नर्सिंग अधिकारी पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं, सभी अभिलेखों को सुव्यवस्थित किया जा रहा है तथा कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि जिला चिकित्सालय गुणवत्ता की सभी कसौटियों पर खरा उतर सके।

सही जानकारी, नियमित जांच और साहस के साथ कैंसर से लड़ाई संभव

स्वदेश संवाददाता ■ ग्वालियर

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता की सशक्त पहल में विभिन्न संस्थानों द्वारा कैंसर के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कहीं विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कैंसर के लक्षण, जांच और आधुनिक उपचार पर जानकारी दी, तो कहीं छात्र-छात्राओं ने रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया।

पोस्टर प्रतियोगिता से दिया जागरूकता का संदेश

जन विकास न्यास-सिम्स मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान तथा ग्वालियर ऑब्सट्रिक एवं गायनोलॉजिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में कला वीथिका में फाइन आर्ट्स कॉलेज के छात्र-छात्राओं की कैंसर जागरूकता पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से कैंसर के प्रति जागरूकता दर्शाते हुए उत्कृष्ट पोस्टर बनाए। पोस्टरों का चयन निर्णायक मंडल में शामिल वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. वीना अग्रवाल, डॉ. वृंदा जोशी एवं डॉ. मोनिका जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अचला सहाय शर्मा ने कहा कि कैंसर का समय पर इलाज संभव है। मुख्य अतिथि महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

मिलिट्री हॉस्पिटल में कैंसर जागरूकता सत्र आयोजित

मिलिट्री हॉस्पिटल द्वारा बाज ऑडिटोरियम में एक व्यापक कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. गुंजन श्रीवास्तव तथा डॉ. संतोष कुमार, कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने स्वस्थ जीवनशैली, कैंसर के कारणों, सर्वाइकल, हेड एंड नेक, ब्रेस्ट सहित विभिन्न प्रकार के कैंसर के प्रारंभिक एवं सामान्य लक्षणों पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से मिलिट्री हॉस्पिटल में 11 फरवरी से 13 फरवरी तक संयुक्त कैंसर जांच शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी को भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी दी

बीआईएमआर नर्सिंग कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में बुधवार को 'यूनाइटेड बाय यूनिक थीम' के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. गौरव अग्रवाल (ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ) उपस्थित रहे। उन्होंने अपनी टीम के साथ कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की पहचान, बचाव एवं रोकथाम के उपायों सहित आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तार से जानकारी देते हुए छात्राओं को जागरूक किया। साथ ही पाम पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार मिस सेन्ट्रा, द्वितीय पुरस्कार मिस संध्या तथा तृतीय पुरस्कार मिस ज्योति सिंह को प्रदान किया गया। इस अवसर पर बीआईएमआर ग्रुप के एक्जीक्यूटिव ट्रस्टी गोविन्द देवड़ा, डॉ. एसएल देसाई डायरेक्टर, बीआईएमआर हॉस्पिटल, डॉ. वैभव राज मेडिकल अधीक्षक, प्रो. रक्षा कुलश्रेष्ठ प्राचार्य, डॉ. मनोज शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्यापारी संघ के पूर्व अध्यक्ष को 12 लाख की चपत

■फरियादी की शिकायत पर कम्पनी पर प्राथमिकी

■ ग्वालियर

उत्तर प्रदेश की कम्पनी ने व्यापारी संघ के पूर्व अध्यक्ष को बारह लाख रुपए की चपत लगा दी। सामान खरीदने का अनुबंध करने के बाद कम्पनी की नीयत में खोट आ गयी और उसने सामान नहीं भेजा। ऊपर से सिक्योरिटी की जमा रकम को भी हड़प लिया।

धोखाधड़ी के शिकार व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है। महाराणा प्रताप नगर निवासी विजय पुत्र स्वर्गीय प्रहलाद जाजू व्यवसायी हैं और नया बाजार व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष हैं। विजय जाजू ने अप्रैल 2018 में उत्तरप्रदेश की प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड से सामान खरीदने के लिए अनुबंध किया था। अनुबंध होने पर प्रबंधन ने विजय से सिक्योरिटी के 12 लाख रुपए जमा कराए थे। जब दोनों के बीच अनुबंध हो गया तो सामान कम्पनी से आने लगा। अचानक कम्पनी से सामान आना बंद हो गया। जब उन्होंने पता किया तो कम्पनी ने अनुबंध समाप्त कर दिया था। विजय जाजू ने अपनी रकम वापस मांगी तो कई प्रयास के बाद भी रकम वापस नहीं की। वर्ष 2021 तक वह रकम को वापस लेने के लिए प्रयास करते रहे। परेशान होकर उन्होंने न्यायालय की शरण ली और कम्पू पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर विजय अग्रवाल, शंशाक त्रिपाठी और लेखाधिकारी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड कम्पनी उत्तरप्रदेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बजट पर प्रबुद्ध महिला सम्मेलन 9 को, अश्विनी परांजपे होंगी शामिल

■ ग्वालियर

भाजपा महिला मोर्चा महानगर की बैठक केंद्रीय बजट 2026 आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत को लेकर भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन में आयोजित की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने बताया कि आगामी 9 फरवरी को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में लोकसभा स्तर पर प्रबुद्ध महिलाओं का एक वृहद आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर महिला मोर्चा के सभी मंडलों की बैठकें 6 फरवरी को दोपहर 2 आयोजित होंगी। प्रबुद्ध महिलाओं के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे उपस्थित रहेंगी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, विनोद शर्मा, खुशबू गुप्ता, ममता भिलवार, किरण लता भदौरिया, ऊषा चौहान, लता सिंह, व्यंजना मिश्रा, रेशु राजावत, गीता मेवाफरोश, उमा भदौरिया, हेमलता भदौरिया, किरण भदौरिया, गिरजा गर्ग, सुमन चौरसिया, ममता चौहान, शीला दीक्षित, प्रियंका गर्ग, ज्योति पाठक, तृप्ति भटनागर आदि उपस्थित रहीं। संचालन महामंत्री डॉ. करुणा सक्सेना ने किया।

बजट चौपाल आयोजित

केंद्रीय बजट 2026 को लेकर भाजपा ग्वालियर महानगर द्वारा ग्वालियर पूर्व विधानसभा का बजट चौपाल का आयोजन अग्रसेन चौक पर किया गया। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल एवं पारस जैन ने संबोधित किया। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष मुकेश दुबे ने दिया। संचालन संदीप अग्रवाल ने एवं आभार राहुल गोयल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अशोक जैन, राकेश खुरासिया, संजय मंगल,धर्मेंद्र राणा, भारत शाक्य, अखिल राजौरिया आदि मौजूद रहे।

ध्रुपद और नाट्यशास्त्र पर अनूठा संगम

भरत मुनि की स्मृति में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

■ ग्वालियर

संस्कार भारती एवं ध्रुपद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में ध्रुपद केंद्र रामाजी का पुरा में भरत मुनि की स्मृति में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भरत मुनि के चित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति में प्रसिद्ध ध्रुपद गायक अनुज प्रताप सिंह ने राग भीमपलासी में आलाप, मध्यलय आलाप एवं द्रुत लय आलाप प्रस्तुत किए। इसके पश्चात उन्होंने चौताल में निबद्ध ध्रुपद कुंजन में रचयो रास अद्भुत गत लिए गोपाल की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। पखावज पर जयवंत गायकवाड़ एवं

तानपुरे पर तेजस भाटे ने संगत कर प्रस्तुति को और समृद्ध किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के नाट्य विभागाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी ने भरत मुनि के नाट्यशास्त्र पर विस्तार से व्याख्यान दिया। उन्होंने नाट्यशास्त्र के प्राचीन एवं वर्तमान काल में प्रयोग, साथ ही नाटक, थिएटर और सिनेमा में उसकी प्रासंगिकता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्कार भारती के महामंत्री चंद्रप्रताप सिकरवार ने कलाकारों का स्वागत किया और भरत मुनि की स्मृति में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन संस्कार भारती के मंचीय कला प्रमुख डॉ. विकास विपट ने एवं आभार प्रदीप दीक्षित ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में शेखर दीक्षित, दिनेश पाठक, अभिजीत सुखदाणे, आशुतोष वाजपेयी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

तीन माह में संग्रहालय तैयार कर आमजन के लिए खोलें, अब देरी नहीं चलेगी

■ ग्वालियर

नगर निगम के निर्माणाधीन म्यूजियम के पुनर्निर्माण कार्य को तीन माह के भीतर हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही संग्रहालय के भीतर फर्नीचर, ग्लास एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी इसी अवधि में पूरी कर आम नागरिकों के लिए संग्रहालय खोलने को कहा गया है।

यह निर्देश सभापति मनोज तोमर एवं निगमायुक्त संघ प्रिय ने संग्रहालय के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं ठेकेदार को दिए। निरीक्षण के दौरान सभापति एवं निगमायुक्त ने प्रोजेक्ट इंजीनियर और ठेकेदार को सिविल कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि संग्रहालय के भीतर दुर्लभ और ऐतिहासिक वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए उपयुक्त फर्नीचर एवं ग्लास इंस्टॉलेशन का कार्य भी प्राथमिकता से किया जाए, ताकि संग्रहालय को तय समय-सीमा में आमजनों के लिए खोला जा सके।

इसके पश्चात सभापति एवं निगमायुक्त ने निर्माणाधीन नवीन परिषद भवन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारी कार्य की प्रगति से संतुष्ट नजर आए। उन्होंने निर्देश दिए कि परिषद भवन का निर्माण कार्य अक्टूबर माह तक पूर्ण किया जाए। साथ ही भवन के भीतर फर्नीचर, लाइटिंग एवं एयर कंडीशनिंग से संबंधित कार्यों को भी तेजी से पूरा कर इन्हें प्रोजेक्ट में सम्मिलित किया जाए।

निरीक्षण के अंतिम चरण में सभापति एवं निगमायुक्त ने रोपवे की पुरानी साइट का जायजा लिया। चूंकि रोपवे को अन्य स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है, इसलिए यह भूमि वर्तमान में अनुपयोगी पड़ी हुई है। इस पर निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उक्त भूमि पर नगर निगम के लिए उपयोगी एवं राजस्व बढ़ाने वाला कमर्शियल प्रोजेक्ट तैयार किया जाए।

डॉ. श्रीवास्तव कैंसर विजेता सम्मान से सम्मानित

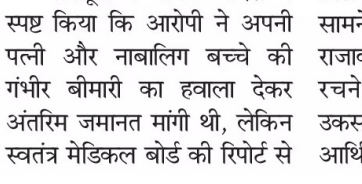

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा प्रधान कार्यालय ऊंट पुल पर बुधवार को कैंसर दिवस के अवसर पर डॉ. बीआर श्रीवास्तव को कैंसर विजेता सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि गॉल ब्लेडर कैंसर हो या कोई अन्य कैंसर उससे घबराना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कैंसर कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। इस अवसर पर डॉ. शैला सप्रे, डॉ. रीता मिश्रा, डॉ. वीणा प्रधान, प्रकाश नारायण शर्मा, हेमेश दंडोतिया, योगेंद्र दीक्षित, डॉ. मुन्नालाल शर्मा आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. जयवीर भारद्वाज ने किया।

ओलावृष्टि ने तोड़ी किसानों की कमर भितरवार के 7 गांवों की फसल खराब

ग्वालियर। जिले के भितरवार अनुभाग में 2 और 3 फरवरी की रात हुई भीषण ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। चीनौर, बड़कीसराय, सिकरौदा, खुर्दपार्क, जुझारपुर, भौरी और कछौआ सहित सात गांवों में खेतों में खड़ी फसलें बर्बादी के कगार पर पहुंच गई हैं। जिलाधीश रुचिका चौहान ने ओलावृष्टि से हुई फसल तबाही के बाद तहसील चीनौर अंतर्गत प्रभावित ग्रामों में प्रारंभिक सर्वेक्षण के लिए विशेष सर्वेक्षण दल गठित करने के निर्देश जारी किए हैं। सर्वेक्षण दल में एसडीएम भितरवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी तथा तहसीलदार चीनौर को शामिल किया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर सोमवार देर रात से ही कछौआ, चीनौर और जुझारपुर गांवों में प्रशासनिक टीमों ने खेतों में उतरकर फसलों को हुए नुकसान का प्रारंभिक आंकलन शुरू कर दिया है। वहीं अन्य प्रभावित गांवों में भी सर्वेक्षण की कार्रवाई जारी है। प्रशासन ने तीन दिन के भीतर फसल हानि का प्रतिवेदन तैयार कर भू-अभिलेख शाखा को भेजने के निर्देश दिए हैं।

जीविवि की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 54 शोधपत्रों का हुआ वाचन, इनमें 18 ऑफलाइन शामिल

अतीत की जड़ों से भविष्य का मार्ग दिखाती है भारतीय ज्ञान परंपरा : द्विवेदी

■ ग्वालियर

भारतीय इतिहास, संस्कृति, विज्ञान, कला, स्थापत्य और दर्शन में निहित ज्ञान परंपराओं ने विश्व को दिशा दी है। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक शोध पद्धतियों से जोड़ते हुए नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। पुरातत्व में जो प्रमाण मिलते हैं, उससे भारत की परंपरा और ज्ञान काफी समृद्ध नजर आते हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा हमारी सांस्कृतिक पहचान का मूल आधार है। यह परम्परा केवल अतीत तक सीमित नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को भी दिशा देने में सक्षम है।

यह बात उत्तरप्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग लखनऊ की निदेशक रेनू द्विवेदी ने जीवाजी विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) द्वारा प्रायोजित भारतीय इतिहास में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही। अध्यक्षता जीविवि के प्रभारी कुलगुरु प्रो. जेएन गौतम ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा व आयोजन सचिव डॉ. शांतिदेव सिसोदिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव मिश्रा ने कहा कि भारतीय इतिहास लेखन में भारतीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विकास की आधारशिला रही है। विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा बहु विषयक है, जिसमें वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र, व्याकरण और राजनीति शास्त्र जैसे विषयों का समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान को हाशिए पर रखा गया, लेकिन अब समय आ गया है कि हम अपने मूल स्रोतों की पुनः व्याख्या करें। प्रो. जेएन गौतम ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा हमारे राष्ट्र की आत्मा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक शिक्षा के बीच सेतु का कार्य करें। डॉ. शांतिदेव सिसोदिया ने कहा कि पीएम ऊषा जैसी योजनाएं उच्च शिक्षा संस्थानों को शोध एवं अकादमिक गतिविधियों के लिए नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं। संगोष्ठी के दूसरे दिन 11 ऑफलाइन व 18 ऑनलाइन शोधपत्रों का वाचन किया गया। इसके साथ ही दो दिवसीय संगोष्ठी में कुल 54 रिसर्च पेपर पढ़े गए।

हजीरा गोलीकांड के आरोपी की जमानत खारिज

■ ग्वालियर

हजीरा गोलीकांड के आरोपी राहुल राजावत को उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने आरोपी द्वारा प्रस्तुत निजी अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाते हुए ग्वालियर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को संबंधित निजी अस्पताल की कार्यप्रणाली और उपचार से जुड़े रिकॉर्ड की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि आरोपी ने अपनी पत्नी और नाबालिग बच्चे की गंभीर बीमारी का हवाला देकर अंतरिम जमानत मांगी थी, लेकिन स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट से इन दावों की पुष्टि नहीं हो सकी। आरोपी की ओर से प्रस्तुत निजी अस्पताल के मेडिकल दस्तावेज, स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट से मेल नहीं खाते। प्रथम दृष्टया ये दस्तावेज भ्रामक प्रतीत होते हैं, जिस पर न्यायालय ने कड़ी आपत्ति जताई है। हजीरा थाना क्षेत्र में जून 2025 में गोलीकांड में एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वारदात में कई आरोपियों ने मिलकर फायरिंग की थी। जांच में सामने आया कि आरोपी राहुल राजावत पर घटना का षड्यंत्र रचने, मुख्य आरोपियों को उकसाने, उन्हें संरक्षण देने और आर्थिक मदद उपलब्ध कराने के आरोप हैं। आरोपी ने तीसरी बार अंतरिम जमानत के लिए आवेदन में दलील दी थी कि उसकी पत्नी पहले सेप्टिक शॉक जैसी गंभीर स्थिति से गुजर चुकी है और उसे नियमित चिकित्सा देखरेख की आवश्यकता है।

इसके अलावा उसका नाबालिग बच्चा एनीमिया से पीड़ित है, जिसके इलाज और देखभाल के लिए पिता की मौजूदगी जरूरी है। न्यायालय के निर्देश पर पत्नी और बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति के आकलन के लिए एक स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था। बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आरोपी की पत्नी की हालत फिलहाल स्थिर है और बच्चा उपचार योग्य अवस्था में है।

संपादकीय

भारत परिवार है: भविष्य अत्यंत उज्ज्वल

जब मैं 2013 में अमरीका में इसराईल का राजदूत बना, तो मेरी पत्नी और मैं 5 बच्चों के साथ वाशिंगटन डी.सी. पहुंचे, जिनकी आयु 10 वर्ष से कम थी, जिनमें एक 2 वर्ष का लड़का और 4 महीने की एक बच्ची भी शामिल थी। हम एक ऑपेयर (देखभाल सहायक) नियुक्त करने की आशा कर रहे थे, ताकि मेरी पत्नी राजदूत की पत्नी होने से जुड़ी जिम्मेदारियां निभा सकें, जिनमें हमारे आधिकारिक निवास पर कार्यक्रमों की मेजबानी करना, वाशिंगटन डी.सी. में विभिन्न समारोहों में भाग लेना तथा राजधानी से बाहर की यात्राओं में मेरे साथ जाना शामिल था। हमारे दूतावास में मेरे एक सहकर्मी ने मुझे बताया कि उसके भारतीय ऑपेयर की बहन, हेलेन नाम की एक महिला, भी अमरीका आकर काम करने में रुचि रखती है। हालांकि मेरी पत्नी किसी अनजान व्यक्ति को अपने घर में लाने को लेकर ड्डषचतित थीं, फिर भी हमने हेलेन पर भरोसा करने का निर्णय लिया। हेलेन हमारे लिए सचमुच किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई-वह एक बुद्धिमान, दयालु और भरोसेमंद महिला थीं, जिन्होंने हमारे बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार किया मानो वे उनके अपने हों। हेलेन ने हमारे परिवार की सबसे कठोर आलोचक, मेरी मां का भी सम्मान और विश्वास अर्जित कर लिया। लेकिन समय के साथ, हेलेन के लिए अपने पति विनय और अपनी बेटी रोशनी से दूर रहना और अधिक कठिन होता गया। रोशनी केवल 12 वर्ष की थी, जब हेलेन भारत छोड़कर अमरीका आई थीं, ताकि अपनी बेटी के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर सकें। जब 2021 में वाशिंगटन में मेरा 7 वर्षों से अधिक का कार्यकाल समाप्त हुआ, तो हमने हेलेन से पूछा कि क्या वह इसराईल लौटकर मेरी मां की देखभाल में हमारी सहायता करने को तैयार होंगी, जिन्हें स्ट्रोक आया था? हेलेन ने एक बार फिर सहमति दी और इस तरह फिर से अपने परिवार से दूर हो गईं। हमारे बच्चों की 7 वर्षों तक देखभाल करने के बाद, हेलेन ने अगले 4 वर्षों तक मेरी मां की सेवा की, जिनका पिछले वर्ष मई में निधन हो गया। मैं हमेशा इस बात के लिए कृतज्ञ रहूंगा कि हेलेन ने मेरी मां के अंतिम वर्षों में उन्हें कितनी गरिमा और सम्मान के साथ संभाला। इसलिए, जब हेलेन ने हमें रोशनी की शादी के लिए भारत आमंत्रित किया, तो हमारे मन में कोई संदेह नहीं था कि हम अवश्य वहां जाकर उनके साथ इस उत्सव में शामिल होंगे। इसी प्रकार मैं, मेरी पत्नी और हमारे 3 बच्चे कर्नाटक के अम्टाडी गांव में पहुंचे-इस अद्भुत देश की अपनी पहली यात्रा पर। उस 10 दिनों की यात्रा में अनेक अविस्मरणीय अनुभव शामिल थे-ताजमहल की अतुलनीय भव्यता, कूर्ग के हरे-भरे कॉफी बागान, राजस्थान में बाघ सफारी, मंगलुरु की मंत्रमुग्ध कर देने वाली जयलक्ष्मी साड़ी की दुकान और हर जगह मिले अद्भुत तथा आत्मीय लोग। मुझे वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से मिलने का भी अवसर मिला, जिनमें आपके अनुभवी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और आपके अथक विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शामिल थे। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारत और इसराईल के बीच रणनीतिक साझेदारी अभूतपूर्व रूप से विस्तारित होगी। लेकिन भारत की मेरी पहली यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण अम्टाडी में बिताया गया समय था, जिसकी शुरूआत गुरुवार रात रोसे समारोह से हुई और अगले रविवार विवाह समारोह के साथ समाप्त हुई। हमने इतने सारे अलग-अलग अनुष्ठान देखे कि सबका हिसाब रखना कठिन था, पर एक बात हर अनुष्ठान में स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई-परिवार की केंद्रीय भूमिका। जब सैंकड़ों लोग रोशनी पर नारियल का दूध डालते हुए अपना आशीर्वाद दे रहे थे, तब मुझे महसूस हुआ कि यह केवल 2 व्यक्तियों का विवाह नहीं, बल्कि 2 परिवारों और 2 समुदायों का मिलन था। मुझे पता है कि भारत कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करनी है। उसे विकास की गति के साथ तालमेल रखने के लिए आधारभूत ढांचे का विस्तार करना है। उसे यह सुनिश्चित करना है कि एक शिक्षित, मेहनती और उद्यमशील कार्यबल को ऐसे अच्छे अवसर मिलें, जिससे उसकी प्रतिभाशाली मानव पूंजी देश की सीमाओं के भीतर ही बनी रहे। उसे प्रदूषण कम करना है, गरीबी दूर करनी है और उन असंख्य समस्याओं से निपटना है, जिनका सामना एक तीव्र गति से विकसित हो रहा राष्ट्र करता है। फिर भी मैं भारत का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल देखता हूं, और इसका कारण वही है जो मैंने रोशनी की शादी में देखा। परिवार, जो हर मजबूत समाज की मूल इकाई है, दुनिया के कई हिस्सों में दबाव में है। लेकिन भारत में परिवार अब भी मजबूत है। परिवार ही वह कारण है जिसने हेलेन जैसी महिला को वर्षों तक विदेश में काम करने के लिए प्रेरित किया, ताकि वह अपनी बेटी को बेहतर भविष्य दे सके। परिवार ही वह आधार है, जिसने हेलेन के भाई-बहनों और रिश्तेदारों को आगे बढ़कर रोशनी की परवरिश में सहायता करने के लिए प्रेरित किया, जब उसकी मां दूर थी। यही वह शक्ति है जो अटूट संबंधों और शाश्वत मूल्यों को जन्म देती है, जो सुदृढ़ समुदायों और सफल राष्ट्रों का निर्माण करती है। कई लोग इस बात पर बहस करते हैं कि 21वीं सदी अमरीकी सदी होगी या चीनी सदी। आने वाले दशकों में यदि भारत इन दोनों की छाया से उभरकर सामने आए, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो यह अम्टाडी जैसे स्थानों और हेलेन जैसे लोगों के कारण होगा। यह इसलिए होगा क्योंकि परिवार में निहित एक प्राचीन सभ्यता, जो भविष्य को अपनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है, ऐसा राष्ट्र है जिसके लिए संभावनाओं की कोई सीमा नहीं है।

परीक्षा पे चर्चा, भविष्य के भारत के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना

> इस वर्ष की भागीदारी का पैमाना इस पहल की गहराई को दशार्ता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण के साथ परीक्षा पे चर्चा पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ते हुए अब जन-संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण स्थिति में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व भागीदारी एक सक्षम वातावरण तैयार करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहां प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल-फूल सके। प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन रू प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद, सहानुभूति, व्यावहारिकता और प्रेरणादायक नेतृत्व का एक विशेष तालमेल पेश करता है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों के साथ मार्गदर्शक, मैंटर और शुभचिंतक के रूप में जुडने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशेष बनाती है।

धर्मेंद्र प्रधान

इस वर्ष ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्ल का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में एक शांत लेकिन निर्णायक बदलाव को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू हुई यह पहल, जो 2018 में एक एकल वाघ्यक संवाद के रूप में शुरू हुई थी, अब एक विश्वव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के संपूर्ण कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता-पिता व शिक्षक इस सांझी जिम्मेदारी के सक्रिय भागीदार हैं। इस वर्ष की भागीदारी का पैमाना इस पहल की गहराई को दशार्ता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण के साथ परीक्षा पे चर्चा पिछले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ते हुए अब जन-संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण स्थिति में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व भागीदारी एक सक्षम वातावरण तैयार करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहां प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल-फूल सके। प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन रू प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद, सहानुभूति, व्यावहारिकता और प्रेरणादायक नेतृत्व का एक विशेष तालमेल पेश करता है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों के साथ मार्गदर्शक, मैंटर और शुभचिंतक के रूप में जुडने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशेष बनाती है। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबाव को कम करते हुए, एक भरोसेमंद और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहां विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचान रू इस प्रयास के केंद्र में एक सरल परंतु बहुत मजबूत सत्य मूल में है-हर बच्चा विशेष है। प्रत्येक बच्चा अलग ढंग से

सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएं समेटे होता है, जिन्हें केवल अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परीक्षाएं अपनी प्रकृति के अनुसार, बच्चे की क्षमता के एक सीमित पहलू को ही दशार्ती हैं। समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी असल रचनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। ये अंतर किसी भी तरह की कमी नहीं हैं, बल्कि यही एक विविध, सुदृढ़ और नवाचारी समाज की नींव हैं।

एन.ई.पी.-2020 के विजन का प्रतिबिम्ब रू यह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.)-2020 के मूल में है। इसके ढांचे के तहत, शिक्षा प्रणालियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुसार पुनर्गठित किया जा रहा है, जहां शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक तंदुरुस्ती और नैतिक मूल्यों के प्रचार पर विशेष जोर दिया गया है। मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को रेखांकित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं अब साल में 2 बार आयोजित की जाएंगी, जिससे विद्याध्ययों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च-दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा। 360 डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो न केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हैं, बल्कि उसके सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी संपूर्ण ढंग से दर्ज करते हैं। प्रत्येक सी.बी.एस.ई. स्कूल में काऊंसिलर्स की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शिक्षा संबंधी और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। आज की शिक्षा सिर्फ पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और रटने तक सीमित नहीं रह गई। समग्र शिक्षा (होलिस्टिक लघ्नग) पर स्पष्ट रूप से ध्यान दिया जा रहा है। यह भली-भांति समझा जा चुका है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्याध्ययों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं करती। चिंता, डर या भावनात्मक तनाव के बोझ तले बच्चे सार्थक रूप से नहीं सीख सकते। भारत की सभ्यतागत परंपराएं इस स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण जागरूकता या माइंडफुलनैस, प्राणायाम और योग जैसे स्थायी साधन प्रदान करती हैं। फिर भी, हमें आज की एक विशेष आधुनिक चुनौती-अत्यधिक डिजिटल उपयोग और स्क्रीन टाइम का सामना करना है। लंबे समय तक लगातार डिजिटल उपकरणों के संपर्क में रहने से एकाग्रता की क्षमता कम होती है, नींद में बाधा आती है और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। निरंतर कनैक्टिविटी, ऑनलाइन तुलना और डिजिटल ओवर-स्टिम्यूलेशन का दबाव अक्सर परीक्षा के तनाव को बढ़ा देता है और उस माइंडफुलनैस को कमजोर कर देता है, जिसे हम बच्चों में विकसित करना चाहते हैं। यहीं पर माता-पिता और शिक्षक मिलकर भूमिका निभा सकते हैं। उपकरणों के उपयोग के लिए सुरक्षित सीमाएं तय करके, साथ ही शारीरिक गतिविधियों, रचनात्मक प्रयासों और पारिवारिक संवाद जैसे विकल्पों के प्रति प्रोत्साहित करके हम पुनरू संतुलन स्थापित कर सकते हैं। आज के बच्चे विकसित भारत 2047 के अग्रदूत हैं। जो बच्चे आत्मविश्वास के साथ नवाचार करते हैं और अपनी सांस्कृतिक जड़ों में स्थिर रहते हुए दुनिया से जुड़ते हैं।

एपस्टीन प्रकरण: पश्चिमी नैतिकता का टूटता भ्रम

> पश्चिमी संस्कृति के द्योतक देशों ने स्वयं को मानवाधिकारों का संरक्षक, कानूनी शासन का आदर्श, लैंगिक समानता का अग्रदूत, आधुनिक नैतिकता का मानक और स्वतंत्रता-अधिकारों का पैरोकार घोषित किया। यह स्वघोषणा केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही, इसे पूरी दुनिया पर थोपने की भी कोशिश की गई। आर्थिक दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप, सांस्कृतिक प्रभुत्व और आवश्यकता पडने पर सैन्य शक्ति-इन सबके माध्यम से पश्चिमी मूल्यों को विश्व पर लागू किया गया। इसमें गैर-पश्चिमी सभ्यताओं को पिछड़ा या अप्रगतिशील बताकर हाशिए पर रखा गया। परंतु जेफ्री एपस्टीन से संबंधित एपस्टीन फाइल्स, जिसकी नई खेप-35 लाख पन्ने, 2,000 वीडियो और डेढ़ लाख से अधिक तस्वीरें, अमरीकी न्याय विभाग ने गत 30 जनवरी को जारी की थी, उसने उस बनावटी नैतिक मुखौटे को चीरकर रख दिया, जिसे पश्चिमी दुनिया ने स्वयं की छवि के लिए तैयार किया था। जेफ्री एपस्टीन कोई गुमनाम और मामूली अपराधी नहीं था। वह एक संगठित शिकारी था, जिसे राजनीतिक, वित्तीय, शैक्षणिक और राजपरिवार समूहों का संरक्षण हासिल था। उस पर 2006 में नाबालिगों के यौन शोषण के आरोप लगे, पर 2008 में उसे असाधारण रूप से कानूनी राहत मिल गई। वर्ष 2019 में वह फिर संघीय यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ और न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत को एकाएक आत्महत्या घोषित कर दिया गया। इस पर आज सवाल उठते हैं।

बलबीर पुंज

हर सभ्यता अपनी कुछ छवियां बनाती और कहानियां गढ़ती है। इसमें वह स्वयं को और दूसरों को बताती है कि उसका मूल उद्देश्य क्या है और वह किन मूल्यों को प्राथमिकता देती है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पश्चिमी संस्कृति के द्योतक देशों ने स्वयं को मानवाधिकारों का संरक्षक, कानूनी शासन का आदर्श, लैंगिक समानता का अग्रदूत, आधुनिक नैतिकता का मानक और स्वतंत्रता-अधिकारों का पैरोकार घोषित किया। यह स्वघोषणा केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही, इसे पूरी दुनिया पर थोपने की भी कोशिश की गई। आर्थिक दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप, सांस्कृतिक प्रभुत्व और आवश्यकता पडने पर सैन्य शक्ति-इन सबके माध्यम से पश्चिमी मूल्यों को विश्व पर लागू किया गया। इसमें गैर-पश्चिमी सभ्यताओं को पिछड़ा या अप्रगतिशील बताकर हाशिए पर रखा गया। परंतु जेफ्री एपस्टीन से संबंधित एपस्टीन फाइल्स, जिसकी नई खेप-35 लाख पन्ने, 2,000 वीडियो और डेढ़ लाख से अधिक तस्वीरें, अमरीकी न्याय विभाग ने गत 30 जनवरी को जारी की थी, उसने उस बनावटी नैतिक मुखौटे को चीरकर रख दिया, जिसे पश्चिमी दुनिया ने स्वयं की छवि के लिए तैयार किया था। जेफ्री एपस्टीन कोई गुमनाम और मामूली अपराधी नहीं था। वह एक संगठित शिकारी था, जिसे राजनीतिक, वित्तीय, शैक्षणिक और राजपरिवार समूहों का संरक्षण हासिल था। उस पर 2006 में नाबालिगों के यौन शोषण के आरोप लगे, पर 2008 में उसे असाधारण रूप से कानूनी राहत मिल गई। वर्ष 2019 में वह फिर संघीय यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ और न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत को एकाएक आत्महत्या घोषित कर दिया गया। इस पर आज सवाल उठते हैं। एपस्टीन दस्तावेज-उड़ान रिकॉर्ड, संपर्क सूचियां, गवाहियां, बयान और आंतरिक पत्राचार-उस गठजोड़ का विवरण देते हैं, जिसमें एपस्टीन राष्ट्रपति, धनाढ्यों, मीडिया, विश्वविद्यालय, राजघरानों आदि सबके बीच सहज रूप से उठता-बैठता था। यह स्पष्ट है कि दस्तावेजों में केवल नामों का उल्लेख अपराध की पुष्टि नहीं करता, किंतु इस लंपट के आसपास प्रभुत्व हस्तियों का घेरा, पश्चिमी नैतिकता के पतन की ओर इशारा अवश्य करता है। एपस्टीन का विमान, जिसका नाम ह्यलोलिता एक्सप्रैसह्ल था, वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों को उसके निजी द्वीप और आवासों तक ले जाता था। यह घटनाक्रम उस सांस्कृतिक चिंतन का परिणाम है, जिसमें स्वतंत्रता को जिम्मेदारी से, इच्छाओं को संयम से और अधिकारों को कर्तव्यों से अलग कर दिया गया। जब मानव शरीर का बाजारीकरण, स्वतंत्रता-आधुनिकता के नाम पर वैध ठहराया जाने लगे और वह जीवन का हिस्सा बन जाए, तो वहां सशक्तिकरण का स्थान शोषण-क्रूरता ले लेती है।एपस्टीन फाइल्सह्ल पश्चिमी आधुनिकता का अपवाद नहीं, बल्कि उसी नैतिक भौंडेपन का ताघ्क्षक परिणाम है, जिसमें 40 प्रतिशत अमरीकी युवा अकेलेपन, अवसाद और मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहे हैं, जिससे वाघ्षक 400-600 सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं का जन्म होता है। 1960 में केवल 13 प्रतिशत अमरीकी अकेले रहते थे, जो 2022 में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गए। तलाक दर 40-80 प्रतिशत के बीच है, तो एक-तिहाई युवा अमरीकी अपने माता-पिता के साथ नहीं रहना चाहते। 2019 में अमरीकी सरकार ने बुजुर्गों की देखभाल पर 1.5 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए थे, जिसके 2029 तक दोगुना होने की संभावना है। यही नहीं, ह्यरी-होमिंगह्ल नामक भूमिगत आयोजनों से ह्यअनचाहेह्ल बच्चों की पेरेड करवाकर उन्हें नए अभिभावकों तक पहुंचाया जाता है। ये सामाजिक दरारें उसी तथाकथित ह्यपश्चिमी मॉडलह्ल की हैं, जिसे कभी सार्वभौमिक आदर्श माना गया था। इतिहास भी पश्चिमी नैतिक दावों की असलियत दिखाता है। चर्च प्रेरित इंक्विजिशन में लाखों लोगों को जलाकर और असंख्य महिलाओं को चुड़ैल घोषित कर यातना देकर मार डाला गया था। अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड में मूल निवासियों की संस्कृति को ध्वस्त किया गया। भारत में दलित-जनजातियों और अमरीका में अश्वेतों की सांस्कृतिक पहचान छीन ली गई। चर्च प्रेरित संस्थानों में यौन अपराधियों की रक्षा का भी इतिहास रहा है। वर्ष 2004 की जॉन जे रिपोर्ट ने अमरीका में 4,392 पादरियों के यौन शोषण का खुलासा किया था। ऐसे ही अक्तूबर 2022 में फ्रांसीसी चर्चों में पादरियों द्वारा 3,30,000 बच्चों के यौन शोषण का भंडाफोड़ हुआ था। इस प्रकार के कई मामले हैं और इसी श्रृंखला की नई कड़ी ह्यएपस्टीन फाइल्सह्ल हैं। दुर्भाग्य से औपनिवेशवाद का शिकार रहे भारत सहित कई देशों ने पश्चिमी ढांचे को आधुनिकता समझा।

ममता बनर्जी का आसमान में सुराख करने का इरादा

> संक्षेप में कहें तो ममता बनर्जी लोकतंत्र को बचाने के लिए मुख्यमंत्री होते हुए भी वकील की भूमिका में आईं। अदालत में अपनी दलीलों को पेश करने के बाद आखिरी में माननीय न्यायाधीशों से उन्होंने यही कहा कि लोकतंत्र बचा लीजिए। गौरतलब है कि एसआईआर को लेकर देश भर में गरीब और कमजोर लोग चिंतित हैं कि उनका नाम कहीं मतदाता सूची से कट न जाए। पांच साल में एक दिन उन्हें मिलता है जब उन्हें उसी कतार में खड़े होने का मौका मिलता है, जिस कतार में समाज का धनाढ्य और प्रभावशाली तबका भी लगता है। वोट देने का अधिकार अमीर और गरीब हरेक के पास एक जैसा है। लेकिन एसआईआर के कारण इस अधिकार पर बड़ी चोट पड़ चुकी है। भाजपा और चुनाव आयोग जिसे धार्मिक शब्दावली की तरह मतदाता सूची का शुद्धिकरण कहते हैं, वह असल में अन्याय और असमानता को बढ़ावा देने वाला है। पिछले साल जून में सबसे पहले बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसका व्यापक और तार्किक विरोध विपक्ष ने किया था। बिहार में इस पर महागठबंधन ने वोटर बचाओ यात्रा भी निकाली थी, जिसे बड़े पैमाने पर समर्थन मिला था। इस मामले में अदालत में याचिकाएं दाखिल हुईं। कायदे से ऐसे में एसआईआर को रोक कर फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए था। लेकिन बिहार में यह पूरी भी हुई और करोड़ों नाम वोटर लिस्ट से कटे, उसके बाद चुनाव हुए और नतीजा सबके सामने है। जिन घुसपैठियों के नाम पर एसआईआर को तत्काल कराने की जरूरत बताई गई, उस पर अब सत्ता पक्ष या चुनाव आयोग कुछ नहीं कहता कि कितने विदेशी नागरिक बिहार में वोटर लिस्ट में थे।

न्यायालय में उपस्थित हुईं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ अपनी दलीलें पेश कीं। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने वकील की भूमिका भी निभाई है। सबसे खास बात यह कि ममता बनर्जी अपना या अपनी पार्टी का पक्ष रखने शीर्ष अदालत में प्रस्तुत नहीं हुईं बल्कि उन लाखों कमजोर लोगों का पक्ष रखने के लिए सामने आईं, जो एसआईआर से पीड़ित हैं, जिनके मताधिकार पर सरकारी कार्रवाई का चाबुक चला है। संक्षेप में कहें तो ममता बनर्जी लोकतंत्र को बचाने के लिए मुख्यमंत्री होते हुए भी वकील की भूमिका में आईं। अदालत में अपनी दलीलों को पेश करने के बाद आखिरी में माननीय न्यायाधीशों से उन्होंने यही कहा कि लोकतंत्र बचा लीजिए। गौरतलब है कि एसआईआर को लेकर देश भर में गरीब और कमजोर लोग चिंतित हैं कि उनका नाम कहीं मतदाता सूची से कट न जाए। पांच साल में एक दिन उन्हें मिलता है जब उन्हें उसी कतार में खड़े होने का मौका मिलता है, जिस कतार में समाज का धनाढ्य और प्रभावशाली तबका भी लगता है। वोट देने का अधिकार अमीर और गरीब हरेक के पास एक जैसा है। लेकिन एसआईआर के कारण इस अधिकार पर बड़ी चोट पड़ चुकी है। भाजपा और चुनाव आयोग जिसे धार्मिक शब्दावली की तरह मतदाता सूची का शुद्धिकरण कहते हैं, वह असल में अन्याय और असमानता को बढ़ावा देने वाला है। पिछले साल जून में सबसे पहले बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसका व्यापक और तार्किक विरोध विपक्ष ने किया था। बिहार में इस पर महागठबंधन ने वोटर बचाओ यात्रा भी निकाली थी, जिसे बड़े पैमाने पर समर्थन मिला था। इस मामले में अदालत में याचिकाएं दाखिल हुईं। कायदे से ऐसे में एसआईआर को रोक कर फैसले का इंतजार किया जाना चाहिए था। लेकिन बिहार में यह पूरी भी हुई और करोड़ों नाम वोटर लिस्ट से कटे, उसके बाद चुनाव हुए और नतीजा सबके सामने है। जिन घुसपैठियों के नाम पर एसआईआर को तत्काल कराने की जरूरत बताई गई, उस पर अब सत्ता पक्ष या चुनाव आयोग कुछ नहीं कहता कि कितने विदेशी नागरिक बिहार में वोटर लिस्ट में थे। अब घुसपैठियों का यही लचर तर्क प.बंगाल में दिया जा रहा

है। यहां तो अर्मत्य सेन जैसे प्रतिष्ठित नागरिक तक को चुनाव आयोग ने नोटिस भेज दिया, तो आम गरीब आदमी की बिसात ही क्या है। इसलिए ममता बनर्जी को बुधवार को अदालत में कहना पड़ा कि न्याय बंद दरवाजे के पीछे रो रहा है। बता दें कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष ममता बनर्जी अपने वकीलों के साथ कोर्ट रूम नंबर एक में मौजूद रहीं। मंगलवार को मुख्यमंत्री बनर्जी के नाम पर एक गेट पास जारी किया गया था। मोस्तारी बानू और टीएमसी सांसदों डेरेक ओ श्ब्रायन और डोला सेन की दायर याचिकाओं पर सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने सुनवाई की। जिनमें ममता बनर्जी ने अपनी दलील पेश की। सुश्री बनर्जी ने अपनी बात रखने की इजाजत मांगी। उन्होंने कहा, श्सर, मुझे सिर्फ 5 मिनट दें।श सीजेआई ने कहा कि 15 मिनट लीजिए। फिर ममता बनर्जी ने भावुक होकर कहा, श्न्याय बंद कमरों के पीछे रो रहा है। हम कहीं से न्याय नहीं पा रहे। मैंने चुनाव आयोग को 6 बार पत्र लिखा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।श ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बंगाल को निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा, श्यह चुनाव आयोग नहीं, व्हाट्सएप कमीशन है। एसआईआर को सिर्फ नाम हटाने का हथियार बनाया जा रहा है, न कि सही जांच का। उन्होंने 24 वर्षों के बाद लागू की गई इस तात्कालिकता पर भी चिंता जताई, जिसे फसल कटाई के मौसम और प्रवासन के चरम समय के दौरान तीन महीनों में जल्दबाजी में पूरा किया गया था, और इसके मानवीय नुकसान को भी दर्ज किया, जिनमें 100 से अधिक मौतें, बीएलओ सदस्यों की मौतें और बड़े पैमाने पर अस्पताल में भर्ती होना शामिल है। ममता ने बताया कि एसआईआर के पहले चरण में ही लगभग 58 लाख नामों को मृत घोषित कर दिया गया।कई महिलाओं के नाम हटाए गए, जिससे यह प्रक्रिया महिला विरोधी लग रही है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद महिलाओं का सरनेम बदलने या ससुराल जाने पर इसे मिसमैच बताकर नाम काट दिए जा रहे हैं। काम की तलाश में दूसरे जगह जाने वालों को भी इसी तरह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के नाम बिना उचित प्रक्रिया के हटाए जा रहे हैं, जिन्हें बाद में श्तार्किक विसंगत्यि या श्गलत मानचित्रण्य जैसे अस्पष्ट बहाने देकर उचित ठहराया जाता है, जो न्यायालय के निदेर्शों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने आधार को वैध प्रमाण के रूप में स्वीकार करने के न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए, प्रश्न उठाया कि केवल बंगाल को ही निवास प्रमाण पत्र या जाति प्रमाण पत्र जैसे अन्यत्र स्वीकार किए जाने वाले दस्तावेजों से वंचित क्यों किया जा रहा है।

दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है। दुद्धी विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। विजय सिंह गोंड को आदिवासी राजनीति का श्पितामहश माना जाता था। उन्होंने इस क्षेत्र का सात बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया और आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाया। वर्ष 2024 के उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्रवण गोंड को 3160 मतों से पराजित कर सीट अपने नाम की थी।

मुंह से लगातार बदबू आना हो सकता है इस गंभीर बीमारी का संकेत, समय रहते पहचानें

क्या आपको भी बार-बार मुंह से बदबू आने की परेशानी होती है? क्या ऑफिस, मीटिंग या दोस्तों के बीच इस वजह से आपको शर्मिंदगी महसूस होती है? अगर हाँ, तो इस समस्या को

नजरअंदाज करने की भूल न करें। मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि बार-बार मुंह से बदबू आना न सिर्फ ओरल हाईजीन की कमी का नतीजा है, बल्कि यह शरीर के अंदर छुपी किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

हैलिटोसिसः बदबू की बीमारी

डॉक्टरों के अनुसार मुंह से दुर्गंध आने की समस्या को मेडिकल भाषा में हैलिटोसिस कहा जाता है। कानपुर के गैस्ट्रो लिवर अस्पताल के विशेषज्ञ बताते हैं कि यह कोई मामूली दिक्कत नहीं, बल्कि दुनियाभर में हर चौथा व्यक्ति इससे परेशान है। इसकी अनदेखी करना भविष्य में गंभीर परिणाम दे सकता है।

मुंह से बदबू आने के 7 बड़े कारण

मुंह की सफाई न करना

दिन में एक बार ब्रश न करना, जीभ की सफाई न करना और फ्लॉस न करना मुंह में बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है। यही बैक्टीरिया धीरे-धीरे दुर्गंध पैदा करने लगते हैं। ये सबसे आम कारणों में से एक है।

तेज गंध वाले भोजन

प्याज, लहसुन और नॉन-वेज जैसे तेज गंध वाले खाद्य पदार्थ मुंह में गंध छोड़ जाते हैं। अगर इनका बार-बार सेवन किया जाए और मुंह की सफाई न हो, तो बदबू बनी रहती है।

ड्राई माउथ (मुंह का सूखना)

अगर लार ठीक से नहीं बन रही है और मुंह ज्यादा देर तक सूखा रहता है, तो बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं। यह स्थिति भी बदबू का एक आम कारण है। कुछ दवाइयों के कारण भी लार बनना कम हो सकता है।

मसूड़ों में सूजन या संक्रमण

अगर आपके मसूड़े बार-बार सूजते हैं या उनमें से खून आता है, तो यह भी दुर्गंध की एक बड़ी वजह हो सकती है। मसूड़ों के रोगों से बैक्टीरिया बढ़ते हैं, जिससे बदबू होती है।

टॉन्सिल स्टोन

गले के टॉन्सिल्स में सफेद-पीले रंग के छोटे-छोटे दाने जम जाते हैं, जिन्हें टॉन्सिल स्टोन कहते हैं। ये बहुत दुर्गंध फैलाते हैं, लेकिन लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं।

एसिड रिफ्लक्स या गैस्ट्रिक दिक्कतें

अगर आपको पेट में एसिडिटी या गैस बनने की समस्या रहती है, तो मुंह से बदबू आना आम बात हो सकती है। एसिड पेट से गले तक चढ़ता है और मुंह से गंध निकालता है।

नाक, गले या फेफड़ों का इंफेक्शन

अगर आपको साइनस, गले का इंफेक्शन या फेफड़ों से जुड़ी कोई बीमारी है, तो भी यह मुंह से बदबू का कारण बन सकती है। वहीं, सिगरेट, तंबाकू और शराब का सेवन भी इस स्थिति को और बिगाड़ता है।

मुंह की बदबू से राहत के आसान घरेलू उपाय

इस समस्या से राहत पाने के लिए कुछ आसान उपाय आपके बहुत काम आ सकते हैं

दिन में दो बार ब्रश करें और फ्लॉस करना न भूलें। जीभ की सफाई को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करें। एल्कोहल-फ्री माउथवॉश का इस्तेमाल करें। दिन भर में पर्याप्त पानी पिएं ताकि मुंह सूखा न रहे। च्युइंगम सीमित मात्रा में चबाएं जिससे लार बनती रहे। समय-समय पर डेंटल चेकअप जरूर करवाएं। अनानास, दही और सौंफ जैसे प्राकृतिक चीजों का सेवन करें। ये माउथ फ्रेशनर की तरह काम करते हैं।

कब डॉक्टर से मिलना जरूरी है?

अगर इन सभी उपायों के बाद भी मुंह से बदबू आ रही है, तो यह चेतावनी हो सकती है कि शरीर में कहीं कुछ गंभीर हो रहा है। डॉक्टरों का मानना है कि लिवर, किडनी की बीमारियां या डायबिटीज की शुरूआती अवस्था में भी मुंह से बदबू आने लगती है। ऐसे में देरी करना खतरे को न्योता देना हो सकता है। मुंह से दुर्गंध आना सिर्फ हाइजीन का मामला नहीं है। यह आपके शरीर के अंदरूनी हालात का आईना हो सकता है। अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो खुद से इलाज करने की जगह डॉक्टर से परामर्श लें। सही समय पर किया गया इलाज आपको भविष्य की कई बड़ी बीमारियों से बचा सकता है।

40 के बाद पुरुषों को जरूर करनी चाहिए ये चार मेडिकल चेकअप, दूसरा वाला है सबसे महत्वपूर्ण

40 की उम्र को अक्सर जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है, जहां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में कई बदलाव आने लगते हैं। इस उम्र के बाद पुरुषों में कई पुरानी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि नियमित स्वास्थ्य

जांच और समय पर सावधानी बरतकर इन बीमारियों से बचा जा सकता है या उन्हें शुरूआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता है। अक्सर पुरुष अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में गंभीर शारीरिक समस्याओं से निपटने के लिए समय रहते बीमारी का पता चल जाना बहुत जरूरी है। इसलिए विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि इन लोगों को कुछ जांच करा लेने चाहिए। इससे आप न सिर्फ अपनी सेहत की निगरानी कर सकते हैं, बल्कि भविष्य की कई गंभीर बीमारियों से भी खुद को बचा सकते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही कुछ प्रमुख शारीरिक जांच के बारे में जानते हैं।

रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जांच

40 के बाद उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या काफी आम हो जाती है। ये दोनों ही हृदय रोग और स्ट्रोक के प्रमुख जोखिम कारक हैं। नियमित रूप से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना बहुत जरूरी है। रक्तचाप की जांच हर साल और कोलेस्ट्रॉल की जांच हर 3-5 साल में करवानी चाहिए। यदि मान सामान्य से अधिक आता है, तो डॉक्टर से सलाह लें।

ब्लड शुगर की जांच

डायबिटीज भारत में तेजी से बढ़ती एक गंभीर बीमारी है। 40 की उम्र के बाद इसका खतरा और बढ़ जाता है। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करवाना (जैसे लुअ1 टेस्ट) बहुत जरूरी है। यह जांच न केवल डायबिटीज का पता लगाने में मदद करती है, बल्कि यह भी बताती है कि आपका ब्लड शुगर पिछले तीन महीनों में कितना नियंत्रित रहा है।

ये फ्री वाला उपाय डायबिटीज हो या कोलेस्ट्रॉल सभी में लाभकारी, आप भी कर दीजिए शुरू

हमारे घरों के आस-पास कई ऐसी प्रभावी और कारगर औषधियां उपलब्ध होती हैं, जिनको अध्ययनों में सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी बताया गया है। तुलसी उनमें से ही एक है जिसे आयुर्वेद के साथ मेडिकल साइंस ने भी फायदेमंद पाया है। शोधकताओं ने बताया कि इसमें ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को मजबूत बनाते हैं, बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ाते हैं और दिमाग को शांत रखते हैं। तुलसी शरीर के लिए प्राकृतिक दवा की तरह काम करती है। तुलसी की पत्तियों और इसके अर्क के प्रभावों को लेकर किए गए तमाम अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि शुगर हो या ब्लड प्रेशर, हृदय रोग हो या मानसिक स्वास्थ्य की समस्या ये सभी में लाभकारी है। इससे लाभ प्राप्त करने के सबसे अच्छा तरीका है कि आप हर रोज तुलसी की चाय पीना शुरू कर दें। ये आसान सा उपाय आपको कई बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने वाला हो सकता है।

शुगर-हार्ट की बीमारियों से हो सकता है बचाव

डायबिटीज मौजूदा समय की एक बड़ी समस्या है। शोधकताओं ने पाया कि तुलसी शुगर को नियंत्रित करने में मदद करती है। तुलसी का

नियमित सेवन ब्लड शुगर को कम करता है और इंसुलिन को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। लेकिन अगर आप शुगर की दवा लेते हैं तो बिना डॉक्टर की सलाह के ज्यादा तुलसी का सेवन न करें। इसी तरह दिल की सेहत को ठीक रखने के लिए भी तुलसी अच्छी मानी जाती है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को कम करती है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में सहायता करती है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा घट सकता है। हालांकि, यह दवा का विकल्प नहीं है, बल्कि एक सहायक उपाय है।

क्या कहते हैं आहार विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ प्रीती जैन कहती हैं, तुलसी की चाय में मौजूद गुण पेट की समस्या, तनाव और सांस संबंधी समस्याओं में लाभ पहुंचाने में मदद करते हैं। इसे आहार में शामिल करने से कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। तुलसी में एंटीवायरस, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें विटामिन ए. सी फॉस्फोरस, कैल्शियम भी होते हैं, जिनकी हमारी सेहत को नियमित रूप से आवश्यकता होती है। चूंकि तुलसी हमारे घरों के आसपास आसानी से उपलब्ध होती है ऐसे में फ्री वाले इस उपाय से आप कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

तुलसी के इन फायदों को भी जानिए

एक शोध के अनुसार, तुलसी में पोटैशियम पाया जाता है, जो रक्तचाप को कम करने में उपयोगी है।

तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं साथ ही त्वचा के संक्रमण से भी बचाव करते हैं।

इस चाय में मौजूद एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण सूजन को दूर करने में उपयोगी है। इसके एंटी आर्थराइटिस गुण गठिया में राहत पहुंचा सकते हैं।

तुलसी का अर्क या इसकी चाय के सेवन से सांस संबंधित समस्याएं दूर होती है। इससे कफ को बाहर निकालने में भी मदद मिलती है।

आहार विशेषज्ञ कहती हैं वैसे तो तुलसी बहुत फायदेमंद है पर इसकी चाय का सेवन अधिक मात्रा में नहीं करना चाहिए, वरना नुकसान भी हो सकता है। यदि कोई स्पेशल डाइट फॉलो कर रहे हैं तो इसे डाइट में शामिल करने से पहले आहार विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

ये 10 लक्षण हो तो जाएं सतर्क, सर्वाइकल कैंसर ले चुका है शरीर में एंट्री! तुरंत भागें डॉक्टर के पास

सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के मुंह का कैंसर, महिलाओं में होने वाला एक गंभीर लेकिन धीरे-धीरे बढ़ने वाला कैंसर है। इसकी सबसे बड़ी चुनौती ये है कि शुरूआत में इसके लक्षण साफ नजर नहीं आते, और जब पता चलता है, तब तक बीमारी अक्सर बढ़ चुकी होती है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं हर साल पैप स्मीयर टेस्ट करवाएं, ताकि बीमारी की पहचान समय रहते हो सके। अगर आप अपने शरीर में नीचे बताए गए 10 लक्षणों में से कोई भी महसूस करें, तो लापरवाही बिल्कुल न करें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सर्वाइकल कैंसर के 10 शुरूआती लक्षण जो नजरअंदाज नहीं करने चाहिए

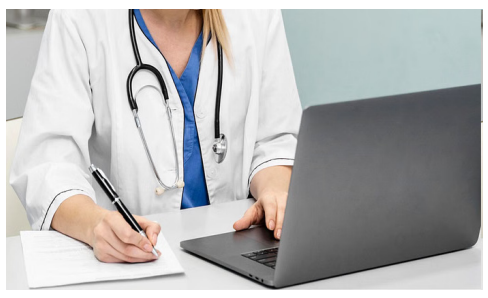

अगर आपकी माहवारी अनियमित हो गई है, या पीरियड्स के अलावा भी खून आ रहा है जैसे कि इंटरकोर्स के बाद या मेनोपॉज के बाद तो ये सर्वाइकल कैंसर का संकेत हो सकता है।

योनि से बदबूदार या पानी जैसा डिस्चार्ज

सामान्य डिस्चार्ज हर महिला में होता है, लेकिन जब उसमें तेज बदबू आने लगे, रंग बदल जाए, या उसमें खून नजर आए तो ये खतरे की घंटी हो सकती है। अगर डिस्चार्ज कपड़ों को बार-बार गीला करता है या आपको असहज महसूस होता है, तो ये साफ संकेत है कि कुछ

गड़बड़ है। ऐसे में तुरंत गाइनोकोलॉजिस्ट से संपर्क करें।

शारीरिक संबंध के दौरान दर्द होना

अगर हर बार इंटरकोर्स के समय जलन, खिंचाव या दर्द महसूस होता है, तो ये सिर्फ मूड की बात नहीं, बल्कि आपके शरीर का संकेत हो सकता है कि कुछ गंभीर हो रहा है। सर्वाइकल कैंसर के शुरूआती स्टेज में ये दर्द कभी-कभी हल्का होता है, पर समय के साथ बढ़ता जाता है। इसे नजरअंदाज करना आपकी सेहत के लिए भारी पड़ सकता है।

पीठ या पेल्विक एरिया में लगातार दर्द

कमर के नीचे या पीठ के निचले हिस्से में लगातार भारीपन, दबाव या दर्द महसूस हो रहा है? अगर ये दर्द दवाइयों या आराम से भी नहीं जाता, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है। खासकर जब यह दर्द पीरियड्स या डिस्चार्ज के लक्षणों के साथ जुड़ा हो।

अचानक वजन कम होना या भूख का खत्म हो जाना

अगर आपने डायटिंग नहीं की, एक्सरसाइज नहीं बढ़ाई और फिर भी वजन कम हो रहा है तो सावधान हो जाइए। कैंसर जैसे रोग अक्सर शरीर की ऊर्जा को बिना बताये खा जाते हैं, जिससे भूख भी मर जाती है। ऐसी स्थिति में तुरंत मेडिकल जांच कराना बेहद जरूरी है।

बिना वजह थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपने कुछ खास किया भी नहीं और फिर भी आप थक गए हैं वो भी रोज-रोज, तो ये अंदर से कुछ गंभीर होने का संकेत हो सकता है। शरीर जब किसी बीमारी से लड़ रहा होता है, तो सबसे पहले एनर्जी पर असर होता है। ये एक इशारा है जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पैरों में सूजन या दर्द रहना (खासकर एक पैर में)

अगर आपके एक पैर में लगातार सूजन है, जूते टाइट हो रहे हैं या चलने में भारीपन लगता है, तो यह लिंफ नोड्स पर दबाव या ब्लॉकेज का असर हो सकता है। सर्वाइकल कैंसर का असर नर्व्स और फ्लूड सकुर्लेशन पर भी पड़ता है, जिससे पैर फूल सकते हैं। इसे किसी थकान या माइनर चोट समझकर टालें नहीं।

बार-बार पेशाब आना या जलन महसूस होना

अगर आपको हर थोड़ी देर में पेशाब आ रही है या पेशाब करते वक्त जलन होती है, तो यह यूटीआई नहीं, बल्कि किसी बड़ी बीमारी की ओर इशारा कर सकता है। कैंसर कभी-कभी ब्लैडर पर दबाव डालकर इस तरह के लक्षण देता है। अगर साथ में दर्द, डिस्चार्ज या थकान भी हो, तो देरी ना करें।

मासिक धर्म का बहुत ज्यादा भारी या लंबे समय तक चलना

अगर पीरियड्स पहले से कहीं ज्यादा दिन चल रहे हैं या खून ज्यादा आ रहा है, तो ये सिर्फ हार्मोनल बदलाव नहीं कुछ और भी हो सकता है। कई महिलाएं इसे आयरन की कमी या स्ट्रेस मानकर टाल देती हैं, लेकिन ये कैंसर का साइलेंट संकेत हो सकता है। इसलिए बदलाव नजर आए तो डॉक्टर से मिलें।

गर्भधारण में परेशानी या बांझपन

अगर आप काफी समय से कंसीव करने की कोशिश कर रही हैं लेकिन सफलता नहीं मिल रही और साथ में ऊपर बताए गए कोई लक्षण भी हैं तो जांच करवाना जरूरी है। कैंसर गर्भाशय को प्रभावित कर सकता है और गर्भधारण की प्रक्रिया में रुकावट डाल सकता है। समय पर जांच और इलाज से बहुत कुछ ठीक हो सकता है।

किन कारणों से होता है सर्वाइकल कैंसर?

एचपीवी (मन पैपिलोमा वायरस) संक्रमणः यह वायरस लगभग हर सर्वाइकल कैंसर के पीछे होता है। यह यौन संबंध से फैलता है। एचपीवी वैक्सीन से इस खतरे को काफी हद तक टाला जा सकता है।

एचपीवी संक्रमणः कमजोर इम्यून सिस्टम वाली महिलाएं, खासकर एचपीवी संक्रमित महिलाएं, इस कैंसर की चपेट में जल्दी आती हैं।

बचाव के उपाय क्या हैं?

एचपीवी वैक्सीनः यह 11-12 साल की उम्र से दी जा सकती है और 26 साल तक की महिलाएं इसे ले सकती हैं।

नियमित पैप टेस्टः यह टेस्ट हर महिला को साल में एक बार करवाना चाहिए ताकि शुरूआती स्टेज में बीमारी पकड़ में आ जाए।

सुरक्षित यौन संबंध और साफ-सफाईः यौन स्वच्छता और सुरक्षित संबंध बनाए रखने से एचपीवी का खतरा कम किया जा सकता है। महिलाओं के लिए जरूरी सलाह अगर आपके शरीर में इन लक्षणों में से कोई भी दिखाई दे तो शर्म न करें और न ही घबराएं।

विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें, मिलेगा फायदा

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक होते हैं। बहुत से लोग इसे 'सनशाइन विटामिन' के नाम से भी जानते हैं, हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने, कैल्शियम और फॉस्फोरस को अवशोषित करने और हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि आजकल की जीवनशैली में लोग सूरज की रोशनी में बहुत कम समय बिताते हैं, जिससे विटामिन डी की कमी एक आम समस्या बन गई है। विटामिन डी की कमी से थकान, हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह एक गंभीर स्थिति है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जहां सूरज की रोशनी इसका सबसे अच्छा प्राकृतिक स्रोत है, वहीं कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जिन्हें अपनी डाइट में

शामिल करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है। ये खाद्य पदार्थ न केवल आपके शरीर में विटामिन डी का स्तर बढ़ाते हैं, बल्कि आपको अन्य पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही चार खास चीजों के बारे में जानते हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके विटामिन डी की कमी को दूर कर सकते हैं।

मशरूम

मशरूम उन कुछ पौधों में से एक है जिनमें स्वाभाविक रूप से विटामिन डी पाया जाता है। जब मशरूम सूरज की रोशनी या यूवी किरणों के संपर्क में आते हैं, तो वे विटामिन डी2 का उत्पादन करते हैं। मशरूम का सेवन करने से शरीर को विटामिन डी की अच्छी मात्रा मिलती है। आप इसे अपनी सब्जी, सलाद या सूप में शामिल कर सकते हैं।

दूध

दूध को कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन आजकल कई दूध उत्पादों को विटामिन डी से फोर्टिफाई (मजबूत) किया जाता है। विटामिन डी और कैल्शियम दोनों ही हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। फोर्टिफाइड दूध का नियमित सेवन आपके शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम दोनों की कमी को दूर करता है, जिससे हड्डियाँ मजबूत रहती हैं।

वीगन मिल्क

जो लोग डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं करते, उनके लिए फोर्टिफाइड वीगन मिल्क एक बेहतरीन विकल्प है। आजकल सोया मिल्क, बादाम मिल्क, और ओट मिल्क जैसे कई वीगन मिल्क को विटामिन डी से फोर्टिफाइड किया जाता है। इन वीगन मिल्क का सेवन करके आप विटामिन डी की अपनी दैनिक जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

अंडा

अंडा खासकर उसकी जर्दी, विटामिन डी का एक बढ़िया प्राकृतिक स्रोत है। भले ही अंडे में विटामिन डी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो, लेकिन इसका नियमित सेवन आपकी दैनिक जरूरत को पूरा करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, अंडे में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इसे एक पौष्टिक भोजन बनाते हैं।

यह आसान उपाय हर साल 8 लाख मासूमों की बचा सकता है जान, गंभीरता से दें ध्यान

शिशु मृत्युदर, भारत में लंबे समय से एक गंभीर चिंता का विषय रहा है। साल 2010 में भारत में शिशु मृत्युदर, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मौत के मामले, प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 65 थे।

आधुनिक चिकित्सा, गर्भवती में समय पर स्वास्थ्य समस्याओं का निदान और जनजागरूकता बढ़ाकर अब भारत ने मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाने में सफलता पा ली है। साल 2014 में एक वर्ष से कम आयु के प्रति एक हजार जन्मे बच्चों में मृत्युदर 39 थी, जो 2021 में घटकर 27 रह गई। इसी प्रकार, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर साल 2014 में 45 से घटकर 2021 में 31 रह गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), यूनिसेफ जैसे वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों ने इसमें और सुधार लाने की अपील की है। इसी से संबंधित एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि अगर स्तनपान के महत्व और इससे होने वाले फायदों को लेकर और अधिक जागरूकता बढ़ाई जाए, माएं स्तनपान कराएं तो दुनियाभर में हर साल 8 लाख बच्चों की जान बचाई जा सकती है। जन्म से 23 माह तक सभी बच्चों के लिए स्तनपान जरूरी है, ये हर साल पांच साल से कम उम्र के 8.2 लाख से अधिक बच्चों में असमय मृत्यु के खतरे को कम कर सकती है।

स्तनपान से वंचित रह जाते हैं शिशु

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के साल 2022 के आंकड़ों के मुताबिक केवल 44% शिशुओं को ही जन्म से छह माह तक स्तनपान कराया जाता है। दुनियाभर में 5 साल से कम उम्र के 14.9 करोड़ बच्चे बौनेपन, 4.5 करोड़ बच्चे दुबलापन और 3.7 करोड़ बच्चे मोटापे से जूझ रहे हैं। हर साल कुपोषण से लगभग 27 लाख बच्चों की मौत होती है जो कुल बाल मृत्यु का 45% है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि स्तनपान में सुधार लाकर न सिर्फ शिशु मृत्युदर को कम किया जा सकता है बल्कि ये बच्चों में मोटापा और डायबिटीज जैसी बीमारियों के खतरे को भी कम करने वाला उपाय हो सकता है।

क्या कहते हैं डब्ल्यूएचओ के विशेष?

डब्ल्यूएचओ के अनुसार छह माह तक केवल स्तनपान कराने से शिशुओं को संपूर्ण पोषण, रोग-प्रतिरोधक क्षमता और जीवन की बेहतर शुरूआत मिलती है। यह सांस के संक्रमण, दस्त और शिशु मृत्यु सिंड्रोम (एसइईडीएस) से लेकर मोटापा व मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों से भी बचाव करता है। वैश्विक संस्थानों ने सरकारों, समुदायों और कार्यस्थलों से ऐसी स्थायी संरचनाएं बनाने का आग्रह किया है जो माताओं को स्तनपान कराने की सुविधाएं दे ।

महापौर ने मृतक आश्रितों को सौंपे ज्वाइनिंग लेटर,13 लोगों को मिली नौकरी

लखनऊ,(संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ मुख्यालय में गुरुवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। यह कार्यक्रम उन परिवारों के लिए राहत का संदेश लेकर आया, जिन्होंने अपने परिजनों को सेवा के दौरान खो दिया था। कार्यक्रम के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल ने कुल 13 मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इनमें शेखर, रागिनी, विकास भारती, बीनू, रितिक गहरवाल,अवनीश कुमार, पिन्की, आकाश कुमार भारती, सुभाष धानुक,नीरज कुमार, शिवांशू भारती,काजल और शिवम भारती शामिल हैं। इन सभी मृतक आश्रितों को सफाई कर्मी के पद पर नियुक्त किया गया है। महापौर ने नवनियुक्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि मृतक आश्रितों को नौकरी देना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि पीड़ित परिवारों को सम्मान और आत्मनिर्भरता प्रदान करने का माध्यम है। महापौर ने सभी नवनियुक्त कर्मियों से ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि मृतक आश्रितों की नियुक्ति प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप पूरा किया गया है।

घर में खेलेंगे पर कहलाएंगे मेहमान टी20 विश्व कप में भारतीय मूल के 40 खिलाड़ी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ खिताब की लड़ाई नहीं, बल्कि पहचान, जड़ों और सपनों की कहानी भी है। भारतीय मूल के खिलाड़ी अपने जन्मस्थान में विदेशी जर्सी पहनकर उतरेंगे, जहां हर रन, हर विकेट और हर ओवर उनके निजी इतिहास से जुड़ा होगा। यह टूर्नामेंट विश्व क्रिकेट के वैश्वीकरण और भारतीय प्रवासियों की बढ़ती भूमिका का सबसे बड़ा उदाहरण बनेगा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एक दिलचस्प और भावनात्मक पहलू यह होगा कि 20 टीमों में 40 भारतीय मूल के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ये वो खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कभी भारत के लिए खेलने का सपना देखा था, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते उन्हें दूसरे देशों का प्रतिनिधित्व करना पड़ा। अब वही खिलाड़ी विश्व कप जैसे मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं, बस जर्सी अलग है। कनाडा और अमेरिका सबसे आगे इस सूची में कनाडा सबसे ऊपर है, जहां 11 भारतीय मूल के खिलाड़ी शामिल हैं। इसके बाद अमेरिका (9), जबकि ओमान और यूएई में सात-सात खिलाड़ी हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इटली और नीदरलैंड्स की टीमों में भी भारतीय जड़ें रखने वाले खिलाड़ी नजर आएंगे। शौकिया क्रिकेट से विश्व मंच तक अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल, जो गुजरात अंडर-19 के लिए खेल चुके हैं, इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल हैं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे कई खिलाड़ियों के लिए सपना पूरा होने जैसा है। भारत में अमेरिका

के लिए खेलना अलग अनुभव है, लेकिन यह फैसला मेरे लिए सही साबित हुआ।' वहीं, इटली की ओर से खेलने वाले जसप्रीत सिंह, जो फगवाड़ा में जन्मे हैं, ने कभी अंतरराष्ट्रीय मैदानों पर खेलने का सपना देखा था। कभी जीवन यापन के लिए उबर चलाने वाले जसप्रीत आज विश्व कप में खेल रहे हैं, वह भी भारत में। अमेरिका के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर जैसे कई खिलाड़ी आज भी प्रोफेशनल नौकरी करते हैं। नेत्रवलकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और छुट्टियां लेकर क्रिकेट खेलते रहे हैं। उन्होंने पिछले विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को आउट किया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ ट्रॉफी की लड़ाई नहीं, बल्कि उन भारतीय मूल के खिलाड़ियों के सपनों का मंच है, जिन्हें भारत में मौका नहीं मिला। विदेशी टीमों के रंग में रंगे ये खिलाड़ी विश्व क्रिकेट के बदलते स्वरूप और भारतीय क्रिकेट की गहराई, दोनों की कहानी कहते हैं। मेजबान भारत जहां खिताब बचाने उतरेगा, वहीं कई टीमें भारतीय मूल के खिलाड़ियों के दम पर इतिहास रचने की कोशिश करेंगी। आइए उन छह भारतीय मूल के खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं, जिन पर सबसे ज्यादा नजरें होंगी-

सौरभ नेत्रवलकर: गोल चक्कर में घूमी जिंदगी मुंबई में जन्मे सौरभ नेत्रवलकर के लिए सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ उतरना एक असाधारण क्षण होगा। भारत के लिए अंडर-19 खेलने के बाद अमेरिका चले गए नेत्रवलकर ने कभी नहीं सोचा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे, वह भी भारत के खिलाफ। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वहां मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगा, लेकिन यह निश्चित रूप से भावनात्मक पल होगा। यह मेरे लिए एक फुल सर्कल जैसा है, क्योंकि मैंने क्रिकेट मुंबई में शुरू किया, फिर खेल छोड़ दिया, अमेरिका चला गया और कभी सोचा भी नहीं था कि दोबारा क्रिकेट खेलूंगा।' 34 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर-कम-क्रिकेटर ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान जैसी टीम को हराकर अमेरिका को सुपर-8 तक पहुंचाया था। मोनांक पटेल: भारत के खिलाफ करेंगे कप्तानी आनंद (गुजरात) में जन्मे मोनांक पटेल अमेरिका की कप्तानी करते हुए भारत के खिलाफ उतरेंगे। यह मुकाबला उनके लिए इसलिए भी खास होगा क्योंकि सामने उनके गुजरात अंडर-19 के साथी जसप्रीत बुमराह होंगे। मोनांक ने कहा, 'हमने रेड बॉल और व्हाइट बॉल दोनों क्रिकेट साथ खेला। तब भी हमें पता था कि जसप्रीत में एक्स-फैक्टर है और वह कुछ बड़ा करेगा।' 32 वर्षीय मोनांक पहले ही पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप में मैच जिताऊ अर्धशतक खेल चुके हैं। जतिंदर सिंह: सपना अधूरा रह जाने की टीस लुधियाना में जन्मे जतिंदर सिंह, ओमान के कप्तान हैं। 36 साल के करियर में उन्हें कभी भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला। इस बार भी ओमान के सभी लीग मैच श्रीलंका में होने हैं, जिससे उनका यह सपना शायद अधूरा ही रह जाए। हालांकि, अगर टीम सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रहती है तो उनका सपना पूरा हो जाएगा। जसप्रीत सिंह: इटली की ओर से खेलेंगे विश्व कप फगवाड़ा (पंजाब) में जन्मे जसप्रीत सिंह इटली की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में खेलेंगे। 2006 में परिवार के साथ इटली गए जसप्रीत ने टेप-बॉल क्रिकेट से शुरूआत की और 2019 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। कभी उबर ड्राइवर के तौर पर गुजारा करने वाले जसप्रीत के लिए यह टूर्नामेंट एक सपना पूरा होने जैसा है, वह भी भारत में। आर्यन दत्त: नीदरलैंड का अकेला भारतीय मूल का सितारा नीदरलैंड के ऑफ-स्पिनर आर्यन दत्त 2023 वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय दर्शकों के सामने खेल चुके हैं। पंजाब से जुड़े पारिवारिक रिश्तों वाले आर्यन इस बार टी20 फॉर्मेट में बड़ी टीमों को चौंकाने की कोशिश करेंगे। दिलप्रीत बाजवा: संघर्ष से कप्तानी तक गुरदासपुर में जन्मे दिलप्रीत बाजवा 2020 में कनाडा चले गए। पंजाब में उम्र-समूह क्रिकेट में रन बनाने के बावजूद मौके नहीं मिले, लेकिन कनाडा में उन्हें नई शुरूआत मिली। 23 वर्षीय बाजवा आज कनाडा के कप्तान हैं और अपने जन्मस्थान में विश्व कप खेलना उनके लिए खुशी और टीस, दोनों लेकर आया है। विश्व क्रिकेट का बदलता चेहरा यह विश्व कप साफ दिखाता है कि क्रिकेट अब सिर्फ पारंपरिक देशों तक सीमित नहीं है। भारतीय प्रवासी खिलाड़ियों ने अमेरिका, कनाडा, यूरोप और मिडिल ईस्ट में क्रिकेट को नई पहचान दी है।

खेल को सियासत से दूर रखने की बात पर भारत के नाम पर राजनीति

लाहौर। पाकिस्तान सरकार और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह फैसला एक बार फिर साबित करता है कि भारत के खिलाफ क्रिकेट भी पाकिस्तान के लिए सियासत का औजार बन जाता है। मंच से यह कहना कि खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए और उसी सांस में राजनीतिक बहिष्कार का एलान करना, साफ तौर पर दोहरे चरित्र को दशार्ता है। आईसीसी की नाराजगी और क्रिकेट प्रशंसकों की निराशा बताती है कि इस फैसले का नुकसान सिर्फ खेल को ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी लंबे समय तक भुगतना पड़ सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार मैदान से ज्यादा राजनीति सुर्खियों में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार पर चुप्पी तोड़ी है। दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ वे कहते हैं कि खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए, वहीं दूसरी तरफ उनका फैसला पूरी तरह राजनीतिक नजर आता है। भारत के खिलाफ खेलने से इनकार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघीय कैबिनेट को संबोधित करते हुए साफ कहा कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलने का स्पष्ट फैसला लिया है। उन्होंने कहा, 'हमने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अपना रुख साफ कर लिया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे।' शहबाज शरीफ के मुताबिक यह फैसला सोच-समझकर और उचित आकलन के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा, 'हमें बांग्लादेश के समर्थन में स्टैंड लेना चाहिए और मैं समझता हूं यह सही फैसला है।' भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 फरवरी को श्रीलंका में होना तय था। खेल में सियासत नहीं, लेकिन खुद सियासी फैसला अपने बयान में शहबाज शरीफ ने यह भी कहा, 'खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए।' यहीं से उनका दोहरा चरित्र सामने आता है।

टी20 विश्वकप में बवाल से खुश हैं नासिर हुसैन घटिया बयान देकर बांग्लादेश-पाकिस्तान की पीठ थपथपाते दिखे

लंदन। नासिर हुसैन का बयान क्रिकेट को जोड़ने के बजाय उसे और बांटता नजर आता है। कछउ और इउउकपर सवाल उठाना एक बात है, लेकिन बहिष्कार और अव्यवस्था को पसंद करना क्रिकेट की भावना के खिलाफ लगता है। टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर जिम्मेदारी और अनुशासन की जरूरत होती है, न कि ऐसे बयान, जो राजनीति को खेल से ऊपर खड़ा कर दें। टी20 विश्वकप 2026 से पहले पहले ही राजनीति और बहिष्कार के साये में फंसे क्रिकेट को लेकर अब एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (कछउ) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) पर तीखा हमला बोलते हुए बांग्लादेश और पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। हुसैन का यह बयान कई क्रिकेट प्रेमियों को पक्षपाती और गैर-जिम्मेदाराना लग रहा है। आईसीसी और बीसीसीआई पर नासिर हुसैन का हमला स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट पर माइकल एथर्टन के साथ बातचीत में नासिर हुसैन ने आरोप लगाया कि आईसीसी बड़े और ताकतवर बोर्ड्स, खासकर भारत, के साथ नरमी बरतता है। उन्होंने सवाल उठाया, 'अगर भारत टूर्नामेंट से ठीक पहले यह कह दे कि उसकी सरकार किसी देश में खेलने की इजाजत नहीं दे रही, तो क्या आईसीसी उतना ही सख्त रुख अपनाता?' उनका यह बयान सीधे तौर पर भारत को कटघरे में खड़ा करता है, जबकि मौजूदा विवाद की जड़ बांग्लादेश और पाकिस्तान के फैसले हैं। बांग्लादेश-पाकिस्तान के बहिष्कार का समर्थन नासिर हुसैन ने खुलकर कहा, 'मुझे अच्छा लगता है कि बांग्लादेश अपने खिलाड़ियों के लिए डटा रहा। और मुझे यह भी पसंद है कि पाकिस्तान ने बांग्लादेश का समर्थन किया।' यहीं से आलोचना तेज हो जाती है। सवाल यह है कि क्या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे वैश्विक आयोजन में बहिष्कार को अच्छा कहना क्रिकेट की भावना के अनुरूप है? कंसिस्टेंसी की बात, लेकिन जिम्मेदारी से किनारा हुसैन ने कहा, 'सबको बस एक ही चीज चाहिए, निरंतरता। बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए।' उन्होंने यह भी जोड़ा, 'पावर के साथ जिम्मेदारी आती है।

टी20 विश्वकप शेड्यूल-फॉर्मेट: कैसे तय होगा कि कौन सी टीम किस सुपर-8 ग्रुप में जाएगी, उलटफेर हुआ तो क्या होगा

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 न सिर्फ मैदानों के लिहाज से भव्य होगा, बल्कि इसके नियम और आयोजन ढांचा भी मुकाबलों को बेहद रोमांचक बनाने वाला है। भारत-श्रीलंका के इन प्रतिष्ठित स्टेडियमों में दुनिया भर के क्रिकेट फैंस को हाई-वोल्टेज टी20 क्रिकेट देखने को मिलेगा। टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस दो दिन शेष हैं। सात फरवरी से शुरू हो रहा यह टूर्नामेंट आठ मार्च तक खेला जाएगा। इस दौरान कुल 55 मैच खेले जाएंगे। इनमें ग्रुप स्टेज के 40 मैच, सुपर-8 के 12 मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल शामिल हैं। बांग्लादेश को बाहर कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (कछउ) ने स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी और टूर्नामेंट का अपडेटेड शेड्यूल जारी किया। बांग्लादेश ग्रुप सी में था और स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में रखा गया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले क्रिकेट के इस महाकुंभ में कई हाईवोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। हालांकि, पाकिस्तान ने 15 फरवरी को टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबले से पीछे हटने का फैसला किया। उस दिन भारत और पाकिस्तान का मैच कोलंबो में होना था, लेकिन पीसीबी ने इस मैच के बहिष्कार का एलान किया। ऐसे में फैंस के लिए मजा थोड़ा किरकिरा जरूर होगा, लेकिन नुकसान पाकिस्तान का ही है। अगर उसे ग्रुप-ए में अन्य टीमों के खिलाफ हार मिली तो उसके लिए सुपर-8 का रास्ता मुश्किल हो जाएगा। 19 फरवरी तक हर रोज तीन मुकाबले शुरूआती चरण यानी ग्रुप स्टेज में क्रिकेट फैंस को लगभग हर दिन तीन-तीन मुकाबलों का रोमांच देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि 19 फरवरी तक टूर्नामेंट अपने सबसे व्यस्त दौर में रहेगा, जहां लगातार हर रोज तीन मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद 21 फरवरी से एक मार्च तक सुपर-आठ राउंड चलेगा। चार मार्च और पांच मार्च को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि आठ मार्च को फाइनल खेला जाएगा। एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में ही खेलेगा। अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल भी कोलंबो में खेला जाएगा। वरना फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मैच का क्यो होगा समय? 19 फरवरी तक जो तीन मुकाबले खेले जाएंगे, उसका पहला मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे से, दूसरा मैच दोपहर तीन बजे से और तीसरा मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा। सात फरवरी को पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच कोलंबो में मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरूआत होगी।

दिल्ली और आरसीबी के बीच आज होगी महिला प्रीमियर लीग की खिताबी टक्कर अब तक कौन-कौन बना विजेता

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का रोमांच फाइनल के साथ गुरुवार को थम जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में जीतने वाली टीम के सिर डब्ल्यूपीएल का ताज सजेगा। महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का रोमांच फाइनल के साथ गुरुवार को थम जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में जीतने वाली टीम के सिर डब्ल्यूपीएल का ताज सजेगा। जहां आरसीबी की नजरें दूसरी बार ट्रॉफी जीतने पर होंगी, वहीं दिल्ली पहला खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। पहले खिताब के लिए बेताब दिल्ली लगातार चार बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली को अपने पहले खिताब की तलाश है। दिल्ली को लगातार तीन बार फाइनल मैच में हार मिली है। दिल्ली कैपिटल्स इस बार नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वह फाइनल में पिछले तीन टूर्नामेंट में उपविजेता रहने के बाद पहली जीत के लिए बेताब है। दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया है, जिसमें तेज गेंदबाज चिनेल हेनरी और नंदनी शर्मा ने नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है। नंदनी ने इस सत्र में अभी तक 16 विकेट लेकर भारतीय टीम में जगह बनाने का दावा पेश किया है। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी लाइनअप भी लय में आने लगी है। गुजरात जायंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में लिजेल ली ने उपयोगी योगदान दिया। शेफाली वर्मा ने अपनी खराब फॉर्म को पीछे छोड़ते हुए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। शीर्ष क्रम की भरोसेमंद बल्लेबाज एल. वोलवार्ड्ट ने पूरे सत्र में टीम को वह स्थिरता प्रदान की है। आरसीबी की नजर दूसरे खिताब पर पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करने की अपनी क्षमता भी साबित की है। इसी जुझारूपन की बदौलत उसने लगातार पांच जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। इस सत्र में आरसीबी की किसी न किसी खिलाड़ी ने जरूरत के समय अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती बन गई है। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी दूसरा खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी करना चाहेगी। पिछले दो मैच में आरसीबी ने शानदार प्रदर्शन करके अच्छी लय के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। मंधाना की टीम की खासियत एक संतुलित और महत्वपूर्ण क्षणों में शानदार प्रदर्शन करना है।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को सुप्रीम कोर्ट से राहत, बोर्ड के कामकाजों में ले सकेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई से जुड़े एक मामले में अपने जनवरी 2017 के आदेश में संशोधन करते हुए पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई से जुड़े एक मामले में अपने जनवरी 2017 के आदेश

में संशोधन करते हुए पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को बड़ी राहत दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि अनुराग ठाकुर अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मामलों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। फ्लैगशिप कैमरा और लैग-किलर परफॉर्मेंस का कॉम्बो, कितना दमदार है नया रेनो सीरीज? अनुराग ठाकुर को 'सुप्रीम' राहत सुप्रीम कोर्ट ने अनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करते हुए अपने पुराने आदेश में बदलाव किया। बता दें कि, जनवरी 2017 में अदालत ने अनुराग ठाकुर को बीसीसीआई के कामकाज से 'सीज एंड डिसिस्ट' यानी पूरी तरह दूर रहने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी ध्यान में रखा कि उस समय अनुराग ठाकुर ने बिना किसी शर्त के बिना शर्त माफी दी थी। इसी आधार पर कोर्ट ने माना कि पहले दिया गया प्रतिबंध अब आवश्यक नहीं है और उसमें ढील दी जा सकती है। अनुराग ठाकुर का कार्यकाल अनुराग ठाकुर ने बीसीसीआई के अध्यक्ष के रूप में मई 2016 से जनवरी 2017 तक कार्य किया था। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पद से हटाया गया था। वह बीसीसीआई के सबसे युवा अध्यक्षों में से एक रहे। अनुराग ठाकुर को 22 मई 2016 को बीसीसीआई का अध्यक्ष चुना गया था। यह चुनाव जगमोहन डालमिया के निधन के बाद हुआ था और वे निर्विरोध चुने गए थे। जनवरी 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें पद से हटा दिया। कारण था लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू न करना। बीसीसीआई अध्यक्ष बनने से पहले अनुराग ठाकुर मार्च 2015 से मई 2016 तक बीसीसीआई सचिव रह चुके थे। 2011 में वह बीसीसीआई के संयुक्त सचिव भी चुने गए थे। अनुराग हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। किन कारणों से गई अनुराग ठाकुर की कुर्सी? जनवरी 2017 में लोढ़ा कमेटी मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तब बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे अनुराग ठाकुर और अजय शिर्के को बर्खास्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई के संचालन के लिए नए अधिकारियों की तलाश के लिए फली नरीमन और वरिष्ठ वकील गोपाल सुब्रमण्यम को एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) नियुक्त किया था। इससे पहले दिसंबर 2016 में चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने सुनवाई में अनुराग ठाकुर के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया था। उन्होंने यहां तक कहा था कि अदालत ने प्रथमदृष्टया पाया कि अनुराग ठाकुर ने अदालत को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि अगर अदालत के समक्ष गलत बयानी का मामला साबित हुआ तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा। तब आईसीसी अध्यक्ष शशांक मनोहर की ओर से कोर्ट में दाखिल हलफनामे में भी कहा गया था कि ठाकुर ने बोर्ड में सीएजी प्रतिनिधि की नियुक्ति पर इसे सरकारी हस्तक्षेप मानते हुए आईसीसी को पत्र लिखने को कहा था, जबकि कोर्ट में ठाकुर ने हलफनामे के जरिए ऐसा नहीं किए जाने की बात कही थी। इससे पहले अक्तूबर 2016 में बीसीसीआई की आम सभा की विशेष बैठक में एक राज्य एक वोट, 70 वर्ष की आयु सीमा, कार्यकाल के बीच में तीन साल का ब्रेक जैसी लोढ़ा समिति की अहम सिफारिशों को बीसीसीआई ने खारिज कर दिया था। वहीं, जुलाई 2016 में बीसीसीआई में सुधार के लिए गठित लोढ़ा समिति की अधिकांश अनुशंसाओं को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही स्वीकार कर लिया था। कोर्ट ने बीसीसीआई को इन अनुशंसाओं को लागू करने के लिए चार से छह महीने का वक्त दिया था। किसी भी स्थिति में बोर्ड को कमेटी की अनुशंसाओं जनवरी 2017 के मध्य तक पूरी तरह लागू करना था, लेकिन हर बार बीसीसीआई ने मामले में ढिलाई बरती और लोढा समिति द्वारा निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन किया। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा था कि सुधर जाओ नहीं तो हम अपने आदेश से सुधार देंगे। इसके बावजूद ठाकुर और शिर्के ने कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से नहीं लिया और बहाने बनाते रहे। इसके बाद लोढा पैनल ने सुप्रीम कोर्ट में बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारियों को हटाए जाने की मांग रख दी। कई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जब देखा कि बीसीसीआई लगातार उसके निदेर्शों की अवहेलना कर रहा है, तो उसने अनुराग ठाकुर और अजय शिर्के को हटाने का फैसला सुना दिया था।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिले फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो

नई दिल्ली। आईसीसी चेयरमैन जय शाह और फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो की यह मुलाकात सिर्फ एक तस्वीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक खेल सहयोग का मजबूत संकेत है। एक ही साल में टी20 वर्ल्ड कप और फीफा वर्ल्ड कप जैसे बड़े आयोजनों के बीच यह संदेश साफ है, खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि दुनिया को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम भी है। वैश्विक खेल जगत से जुड़ी एक अहम तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (कछउ) के चेयरमैन जय शाह से मुलाकात की और इसकी तस्वीर साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। क्रिकेट और फुटबॉल, दुनिया के दो सबसे लोकप्रिय खेलों के शीर्ष प्रशासकों की यह मुलाकात कई मायनों में खास मानी जा रही है। इनफैनटिनो ने सोशल मीडिया पर जताई खुशी फीफा अध्यक्ष गियानी इनफैनटिनो ने बुधवार देर रात इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए जय शाह की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, 'आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात थी। क्रिकेट जैसे खूबसूरत खेल को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने जो शानदार काम किया है, वह काबिले-तारीफ है। मैं उन्हें और पूरी क्रिकेट बिरादरी को शुभकामनाएं देता हूं, क्योंकि क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में दोबारा शामिल किया जा रहा है। मैं भविष्य में साथ काम करने और सहयोग को लेकर उत्साहित हूं, ताकि खेलों के जरिए दुनिया को एकजुट किया जा सके।' क्रिकेट और फुटबॉल का साझा मंच यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब खेलों के वैश्विक स्तर पर सहयोग और विस्तार की चर्चा जोरों पर है। क्रिकेट को ओलंपिक में दोबारा शामिल किए जाने की प्रक्रिया और फुटबॉल की पहले से मजबूत वैश्विक मौजूदगी, दोनों खेलों को और व्यापक मंच देने की दिशा में यह बातचीत अहम मानी जा रही है। एक ही साल में टी20 और फीफा वर्ल्ड कप खास बात यह है कि इसी साल खेल प्रेमियों को दो बड़े महाकुंभ देखने को मिलेंगे। एक ओर आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन होगा, वहीं दूसरी ओर फीफा वर्ल्ड कप भी खेल जगत का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा। ऐसे में दोनों खेलों के शीर्ष प्रशासकों की यह मुलाकात फैंस के लिए भी उत्साह बढ़ाने वाली है। जय शाह की बढ़ती वैश्विक भूमिका जय शाह के नेतृत्व में आईसीसी ने कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनमें क्रिकेट का वैश्विक विस्तार और ओलंपिक में वापसी जैसे अहम कदम शामिल हैं। इनफैनटिनो का बयान यह दिखाता है कि अब क्रिकेट और फुटबॉल जैसे बड़े खेल संगठन मिलकर भविष्य की योजनाओं पर काम करने के संकेत दे रहे हैं।

विश्वकप से पहले सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे मुख्य कोच गौतम गंभीर बल्लेबाजी कोच कोटक भी आए नजर

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 से पहले टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत में अब सिर्फ दो दिन बचे हैं। सात फरवरी से वैश्विक टूर्नामेंट की शुरूआत होगी जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। इससे पहले टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। कुल 55 मैच खेले जाएंगे टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से होगी, जिसका फाइनल आठ मार्च को खेला जाएगा। इस दौरान कुल 55 मैच खेले जाएंगे। इनमें ग्रुप स्टेज के 40 मैच, सुपर-8 के 12 मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल शामिल हैं। बांग्लादेश को बाहर कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी और टूर्नामेंट का अपडेटेड शेड्यूल जारी किया। बांग्लादेश ग्रुप सी में था और स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में रखा गया। पाकिस्तान ने किया भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले क्रिकेट के इस महाकुंभ में कई हाईवोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। हालांकि, पाकिस्तान ने 15 फरवरी को टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबले से पीछे हटने का फैसला किया। उस दिन भारत और पाकिस्तान का मैच कोलंबो में होना था, लेकिन पीसीबी ने इस मैच के बहिष्कार का एलान किया। ऐसे में फैंस के लिए मजा थोड़ा किरकिरा जरूर होगा, लेकिन नुकसान पाकिस्तान का ही है। अगर उसे ग्रुप-ए में अन्य टीमों के खिलाफ हार मिली तो उसके लिए सुपर-8 का रास्ता मुश्किल हो जाएगा।

नगर निगम ने सील किया गल्ला मंडी का खाता,64 लाख टैक्स बकाया

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम ने जोन-6 स्थित नवीन गल्ला मंडी, सीतापुर रोड पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक खाता सील कर दिया है। कुल 64 लाख 94,040 रुपए गल्ला मंडी पर हाउस टैक्स बकाया था। इसमें से एक प्रॉपर्टी का किराया 22 लाख 57 हजार 922 रुपए था। गल्ला मंडी अधिकारियों ने नगर निगम को चेक बिना साइन के व्हाट्सऐप पर भेज दिया था। उसे नगर निगम में जमा नहीं किया गया। अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने बताया कि लंबे समय से बकाया प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली न होने पर मंडी समिति के बैंक खाते को सीज कर दिया गया है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि नवीन गल्ला मंडी सीतापुर रोड, लखनऊ के भवन संख्या जीबी, सीसी पर 31 मार्च 2026 तक कुल 42 लाख 36 हजार 118 रुपए प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था। मंडी से जुड़े प्रॉपर्टी नंबर 605/385 पर 22 लाख 57 हजार 922 रुपए की राशि बकाया है। नगर निगम द्वारा का कहना है कि प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली के लिए पहले भी संबंधित संस्था को कई बार बिल एवं नोटिस जारी किए गए थे। अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर बकाया राशि जमा करने के लिए भी कहा गया।

5 सालों की उठा-पटक के अब धमाकेदार वापसी करेंगी रिया चक्रवर्ती,

बोलीं, जिंदगी वही है जो आपके साथ होती है

साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की जिंदगी में गहरा तूफान आया। कानूनी जांच, मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक आलोचनाओं ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। ड्रग्स से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने करीब 28 दिन भायखला जेल में बिताए। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह बाहर आईं। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिरकार उन्हें मार्च 2025 में क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, इन पांच सालों के बीच रिया की पूरी तरह बदल गई। वहीं, अब पांच सालों तक जिंदगी में चली उठा-पटक के बाद रिया और मजबूत होकर सामने आई हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं।

लंबे संघर्ष के बाद रिया चक्रवर्ती एक बार फिर कैमरे के सामने लौटने के लिए तैयार हैं। लंबे ब्रेक के बाद वह वेब सीरीज ह्यफैमिली बिजनेसह्न के जरिए अपने अभिनय करियर की नई शुरूआत कर रही हैं। इस वापसी को लेकर रिया ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनका उत्साह, डर और उम्मीद तीनों साफ झलकते हैं। वीडियो में रिया बताती हैं कि उन्हें किसी सेट पर कदम रखे हुए करीब सात साल हो चुके हैं, लेकिन अभिनय के लिए उनका जुनून आज भी वैसा ही है। उन्होंने कहा कि समय ने भले ही उन्हें बदल दिया हो, लेकिन उनके भीतर की वह लड़की अब भी जिंदा है, जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। रिया के शब्दों में, सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं...लेकिन मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर बॉम्बे आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा। और मैं यहां हूं, एक बार फिर अपने चौप्टर 2 में...ऐसा लगता है कि जिंदगी वही है जो आपके साथ होती है जब आप दूसरी योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं। अपनी पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने जिंदगी के उतार-चढ़ाव पर भी बात की। रिया ने लिखा कि अक्सर जिंदगी वही मोड़ ले लेती है, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की होती और वही हमें आगे बढ़ना सिखाती है। रिया ने वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि आखिरी बार वो चेहरे में नजर आई थीं और अब वो सात साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिक्र किए बिना कहा कि उनकी जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ था कि काम मिलना बंद हो गया था। अब वो कई सालों बाद कैमरे के सामने वापसी कर रही हैं, जो उन्हें अच्छा लग रहा है।रिया की इस ईमानदार स्वीकारोक्ति पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिला। कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें हिम्मत, ताकत और नई शुरूआत के लिए बधाइयां दे रहे हैं।

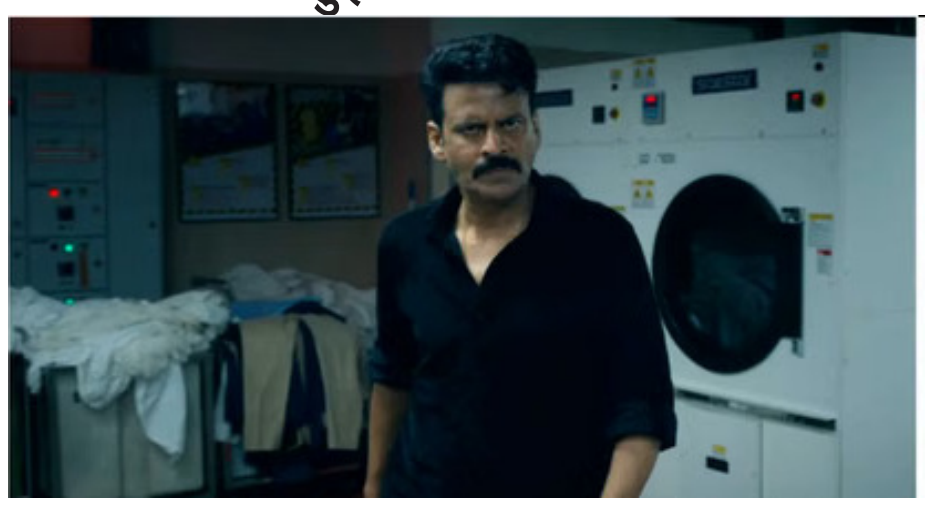

विवादों में घिरी मनोज बाजपेयी की घूसखोर पंडित, फिल्म के नाम को लेकर हुई रिलीज पर रोक लगाने की मांग

मनोज बाजपेयी की अपकमिंग फिल्म घूसखोर पंडित रिलीज से पहले ही विवादों के घेरे में आ गई है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली इस फिल्म के टाइटल को लेकर अब मामला सीधे दिल्ली हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि फिल्म का नाम ब्राह्मण समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला और अपमानजनक है। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि फिल्म के शीर्षक और प्रमोशनल कंटेंट में ह्यपंडितह्न शब्द को जानबूझकर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी जैसे नकारात्मक अर्थों से जोड़ा गया है। याचिकाकर्ता वकील विनीत जिंदल का कहना है कि यह शीर्षक एक विशेष धार्मिक और सामाजिक समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचाता है।

याचिका में यह भी दावा किया गया है कि फिल्म की रिलीज से ब्राह्मण समुदाय की प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। याचिकाकर्ता ने आशंका जताई कि इस तरह का कंटेंट सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे सकता है और इससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने का खतरा भी है। इस मामले में केंद्र सरकार को भी मुख्य पक्षकार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि डिजिटल और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को रेगुलेट करना सरकार की जिम्मेदारी है और ऐसे कंटेंट पर रोक लगाई जानी चाहिए जो सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा सकता है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से अपील की है कि फिल्म की रिलीज पर तत्काल रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि क्रिएटिव फ्रीडम के नाम पर किसी भी धार्मिक या सामाजिक समूह को निशाना बनाना उचित नहीं है। याचिका में यह भी कहा गया है कि यह कथित कंटेंट संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 25 का उल्लंघन करता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार से यह भी आग्रह किया गया है ।

दिशा पाटनी संग डेटिंग की खबरों पर सिंगर तलविंदर ने तोड़ी चुप्पी, कहा-मैं अभी प्यार में पड़ रहा हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इन दिनों अपने काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ दिनों से उनका नाम पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के चर्चित सिंगर तलविंदर के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके डेटिंग की अटकलें तेज हो गईं। वहीं, अब इन खबरों पर तलविंदर ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान तलविंदर ने दिशा पाटनी के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही चचाओं पर चुप्पी तोड़ी। सिंगर ने बताया कि उनकी और दिशा की मुलाकात हाल ही में हुई है। उनकी जान-पहचान नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी से ठीक पहले शुरू हुई थी। ये एक सामान्य दोस्ती के रूप में शुरू हुई थी। डेटिंग की खबरों पर सिंगर ने कहा कि हम अभी भी एक-दूसरे को समझने की कोशिश कर रहे हैं। मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा क्योंकि अगर लोग अफवाहें फैलाने की कोशिश करेंगे, तो मैं उन्हें अफवाहें ही रहने दूंगा। जब तलविंदर से प्यार और फीलिंग्स को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने दिलचस्प जवाब दिया। सिंगर ने कहा, ह्लमैं हर दिन प्यार में पड़ जाता हूं। मैं अभी प्यार में पड़ रहा हूं।ह्व हालांकि उन्होंने इस दौरान दिशा पाटनी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन बयान के समय और संदर्भ ने दोनों के बीच रिश्ते की अटकलों को और हवा दे दी है। वहीं, दिशा पाटनी की तरफ से अब तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

फिल्म के बाद सिंगिंग में डेब्यू, राशा थडानी ने फिल्म 'लईकी लईका' में गाया गाना; भगवान शिव को किया समर्पित

पिछले साल फिल्म आजाद से रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब वह फिल्म ह्यलईकी लईकाह्न में नजर आएंगी। यह राशा की बॉलीवुड में दूसरी फिल्म होगी। इस फिल्म के साथ राशा ने सिंगिंग में भी डेब्यू किया है। राशा थडानी ने अपनी आने वाली फिल्म

लईकी लईका के गाने छाप तिलक से सिंगिंग में भी डेब्यू किया है। इस फिल्म में उनके साथ अभय वर्मा भी हैं। राशा ने हाल ही में सिंगिंग करने से जुड़ा अपना एक्सपीरियंस एक इंटरव्यू में साझा किया है। उन्हें इसे सपने के सच होने जैसा बताया। यह सिर्फ सपोर्टिंग किरदार नहींह्न, पारुल गुलाटी ने फिल्म ह्यतू या मैंह्न में अपनी भूमिका को लेकर की बात गाने को लेकर अपना अनुभव किया साझा हिंदुस्तान टाइम्स को दिए गए एक इंटरव्यू में राशा थडानी बताती हैं कि उन्होंने बचपन से ही म्यूजिक में ट्रेनिंग ली है। वह कहती हैं, ह्यमैं जब 5 साल की थी, जब मैंने उस्ताद कादिर मुस्तफा खान से हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू किया। इसके अलावा मैंने जैज म्यूजिक भी सीखा है। म्यूजिक मेरे लिए एक तरह का सुकून है। जब मैं रियाज करती हूं, तो वो एक घंटा सिर्फ मेरा होता है। मैं हमेशा से गाना चाहती थी, यही मेरा पैशन रहा है। लेकिन मैं पूरी तरह एक शॉवर सिंगर हूं। आज मुझे म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखने का मौका मिला है, इसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। डेब्यू गाना भगवान शिव को समर्पित किया

राशा थडानी ने फिल्म 'लईकी लईका' में जो गाना गया है, उसके बारे में जानकारी साझा की है। इस गाने को भगवान शिव को समर्पित किया है। वह कहती हैं, ह्यमैंने 12 ज्योतिलिंगों की यात्रा की है। मेरे लिए भगवान शिव सिर्फ एक भगवान नहीं, जिंदगी का हिस्सा हैं। वो हर दिन मेरे साथ रहते हैं। इस गाने में जब डमरू की बात होती है, तो मुझे नटराज का नृत्य याद आता है। भगवान शिव कला और नृत्य के देवता हैं। यह गाना उन्हीं को समर्पित है। मेरी कला उन्हीं की है।

ओ रोमियो की रिलीज से पहले तृप्ति डिमरी ने करवाया स्टनिंग फोटोशूट

ऑरेंज सूट में गिराई हुस्न की बिजलियां

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने बीते कुछ सालों में अपनी मेहनत, टैलेंट और दमदार परफॉर्मेंस के दम पर इंडस्ट्री में एक खास पहचान बना ली है। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी आगामी फिल्म ह्यओ रोमियोह्न को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह एक्टर शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है। वहीं, इससे पहले तृप्ति ने एक स्टनिंग फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने फैंस का दिल धड़का दिया है। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी ऑरेंज कलर के स्लीवलेस अनारकली सूट में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। अपने इस लुक को तृप्ति ने वेवी हेयर, ग्लैम मेकअप और हैवी ईयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया है। ट्रेडिशनल लुक में तृप्ति का यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में तृप्ति अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं और हर फ्रेम में उनकी एलिगेंस साफ झलक रही है। उनके इस लुक पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफों की बाढ़ आ गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी इस साल साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ भी बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं। वह संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म स्पिरिट का हिस्सा हैं। इस फिल्म को लेकर भी दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। वहीं, इन दिनों उनकी चर्चित अपकमिंग फिल्म ओ रोमियो की बात करें तो यह वेलेंटाइन के मौके यानी 13 फरवरी को रिलीज होने के पूरी तरह तैयार है।

जाति परंपरा सिर्फ वोट बैंक की पॉलिटिक्स की देन हैः शिव प्रताप शुक्ला

लखनऊ,(संवाददाता) । लखनऊ के नेशनल पीजी कॉलेज में आज, गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने बतौर मुख्य अतिथि सेमिनार का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में 3 बहनों ने सुसाइड किया। वे कोरियन सभ्यता से प्रभावित थीं। एक समय वह था, जब भारतीय समाज में राजा जनक अपनी बेटी सीता के लिए स्वयंवर करते थे। आज ये दिन आ गए हैं। आप खुद ही दोनों सभ्यताओं की तुलना कर लीजिए। पहले जब जर्मन विद्वान मैक्सम्युलर भारत आए तो भाषा ज्ञान न होने के कारण वेद को जान नहीं सके। जब वे लौटकर जर्मन गए तो वहां अनुवाद कर वेदों को ठीक तरह से जाना और कहा कि वास्तव में वेद ही हैं, जिसमें सब कुछ है। जरा सोचिए, भारत अगर आज दशमलव न दिया होता तो आखिर कैसे गणित चलता? आर्यभट्ट ने जब दशमलव दिया तभी ये गणित आगे बढ़ सका। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि आईकेएस के नियम का बगैर नाम लेते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के डिसिशन में एक लाइन की टिप्पणी कि क्या हम फिर से जाति व्यवस्था की तरफ लौट रहे है? ये बेहद गंभीर बात है। मैं ये कहना चाहूंगा कि भारत में कभी जाति परंपरा नहीं थी। भारत में वर्ण परंपरा थी। जाति परंपरा सिर्फ वोट बैंक की पॉलिटिक्स की देन है। नेशनल पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एनईपी में आईकेएस के उल्लेख से शिक्षा व्यवस्था में नई स्फूर्ति मिली है। एलोरा का कैलाश मंदिर को ऊपर से पहाड़ काटकर बनाया गया था।

ट्रंप पर जानलेवा हमले की कोशिश मामलाः आरोपी रयान राउथ दोषी करार, अमेरिकी कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

फोर्ट पियर्स (अमेरिका)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के मामले में आरोपी रयान राउथ को फ्लोरिडा की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। 2024 में गोल्फ खेलते समय वह झाड़ियों में छिपकर राइफल से निशाना साधे था, लेकिन सीक्रेट सर्विस ने समय रहते उसे रोक लिया। अदालत ने कहा कि आरोपी पश्चातापहीन है, इसलिए सख्त सजा जरूरी थी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के मामले में दोषी पाए गए एक व्यक्ति को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह फैसला बुधवार को फ्लोरिडा की एक अदालत में सुनाया गया। इस मामले ने इसलिए भी ध्यान खींचा क्योंकि घटना एक गोल्फ कोर्स में हुई थी और आरोपी का व्यवहार पूरे केस के दौरान बेहद असामान्य रहा। आरोपी का नाम रयान राउथ है। उस पर आरोप था कि उसने साल 2024 में फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप

के गोल्फ क्लब में उनकी हत्या की योजना बनाई। जब डोनाल्ड ट्रंप गोल्फ खेल रहे थे, उसी दौरान रयान राउथ झाड़ियों में छिपकर राइफल लेकर निशाना साधे हुए था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस के एक एजेंट ने समय रहते उसे देख लिया। एजेंट ने तुरंत फायरिंग की, जिसके बाद राउथ ने अपनी बंदूक गिरा दी और मौके से भाग गया। उसने ट्रंप पर कोई गोली नहीं चलाई, लेकिन जांच एजेंसियों ने इसे हत्या की कोशिश माना। कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया? अमेरिकी जिला जज एलीन कैनन ने रयान राउथ को उम्रभर जेल में रहने की सजा सुनाई। इसके अलावा, हथियार से जुड़े एक मामले में उसे अलग से सात साल की अतिरिक्त सजा भी दी गई है, जो उम्रकैद के बाद चलेगी। सरकारी वकीलों ने अदालत से कहा था कि राउथ को पैरोल के बिना उम्रकैद दी जानी चाहिए, क्योंकि उसने कभी अपने अपराध पर माफी नहीं मांगी, अपनी गलती स्वीकार नहीं की और अब भी कानून के लिए कोई सम्मान नहीं दिखाया। बचाव पक्ष ने क्या कहा? दूसरी ओर रयान राउथ के वकील ने अदालत से नरमी बरतने की मांग की। उन्होंने कहा कि राउथ की उम्र लगभग 60 साल हो चुकी है। अगर उसे 27 साल की सजा दी जाए, तो वह जीवन में एक बार फिर आजादी देख सकता है। राउथ के वकील ने तर्क दिया कि राउथ को उम्रकैद देना बहुत ज्यादा सख्त सजा होगी, लेकिन अदालत ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। राउथ किन अपराधों में दोषी पाया गया? बता दें कि अदालत ने राउथ को कई गंभीर आरोपों में दोषी ठहराया। इसमें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या की कोशिश, अपराध के दौरान बंदूक का इस्तेमाल, संघीय अधिकारी पर हमला, पहले से अपराधी होने के बावजूद हथियार रखना और घिसे हुए (मिटाए गए) सीरियल नंबर वाली बंदूक का इस्तेमाल करना जैसे मामले में शामिल है। आरोपी का अजीब व्यवहार इस केस के दौरान रयान राउथ का व्यवहार कई बार चौंकाने वाला रहा सजा सुनाए जाने से पहले उसने खुद को चाकू मारने की कोशिश की। उसने कहा कि वह अपनी जान किसी कैदी अदला-बदली (प्रिजनर स्वैप) में देने को तैयार है। उसने ट्रंप से यह तक कहा कि वे अपना गुस्सा उसके चेहरे पर निकाल सकते हैं। जज ने उसके इस व्यवहार को अदालत की प्रक्रिया का मजाक बताया।

पश्चिम एशिया-यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा हुई मार्को रुबियो संग बैठक पर बोले विदेश मंत्री जयशंकर

वॉशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कई उच्च स्तरीय बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने अपने समकक्ष मार्को रुबियो और अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट संग बैठक की। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा की, जिसकी जानकारी जयशंकर ने साझा की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संग हालिया व्यापार समझौते पर बनी सहमति के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। जयशंकर ने मंगलवार (4 फरवरी) को ट्रेजरी सेक्रेटरी (वित्त मंत्री) स्कॉट बेसेंट और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बैठक की। अब बैठक के बाद अमेरिका में मौजूद एस. जयशंकर ने अपने दौरे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब यह दो दिन बेहद फलदार साबित हुए हैं। मार्को रुबियो संग बैठक की दी जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो

के साथ अपनी मुलाकात पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग की विस्तार से समीक्षा की। जब विदेश मंत्री मिलते हैं, तो यह स्वाभाविक है कि राजनयिक एजेंडा पर चर्चा होती है, साथ ही इस साल एक-दूसरे से क्या उम्मीदें हैं, इस पर भी बात होती है। हमारी बातचीत का एक बड़ा हिस्सा द्विपक्षीय मुद्दों पर केंद्रित था। हमने इंडो-पैसिफिक, पश्चिम एशिया, मध्य पूर्व, गाजा में क्या हो रहा है, यूक्रेन संघर्ष पर बात की। पश्चिमी गोलार्ध में क्या हो रहा है, इसकी वैश्विक समीक्षा भी हुई। एक तरह से हमने दुनिया और अपने संबंधों पर चर्चा की और यह बहुत खुली बातचीत थी।' जयशंकर ने अपने अमेरिका दौरे पर कहा, 'मैं यहां क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्ट्रियल में शामिल होने आया हूं, जिसे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और कई देशों ने बुलाया था, लगभग 50 देश यहां थे। बैठक आज भी चल रही है और यही मुख्य कारण था। चर्चा बहुत अच्छी रही, क्रिटिकल मिनरल्स एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, अमेरिका कुछ साल से हमारा पार्टनर रहा है। आज उन्होंने एक नया एडिशन - लॉन्च किया है, जिसे हमने सपोर्ट किया है।

एलन मस्क का बदला शक्ति संतुलनः एक्सएआई विलय के बाद स्पेसएक्स बना सबसे बड़ा दांव लेकिन टेस्ला क्यों छूटी पीछे

नेटवर्क। एक्सएआई के विलय के बाद स्पेसएक्स का निजी मूल्यांकन 1.25 खरब डॉलर पहुंच गया है और यह अब एलन मस्क की संपत्ति का सबसे बड़ा आधार बन चुका है। दूसरी ओर टेस्ला के शेयर गिर रहे हैं और

फोकस रोबोटैक्सी व ऑप्टिमस पर शिफ्ट हो गया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या भविष्य में मस्क की असली पहचान कारों से नहीं, अंतरिक्ष और एआई से बनेगी? एलन मस्क की एआई कंपनी एक्सएआई के अधिग्रहण के बाद स्पेसएक्स का निजी बाजार मूल्यांकन 1.25 खरब डॉलर पहुंच गया है। यह टेस्ला के मार्केट कैप 1.58 खरब डॉलर से महज 26% कम है। कागजी तौर पर अब मस्क की कुल संपत्ति का बड़ा हिस्सा टेस्ला नहीं बल्कि स्पेसएक्स से आ रहा है। मस्कोनॉमी के इस मूल्यांकन को नकदी में बदलना बाधाओं से भरा है। विलय के बाद मस्क के कॉरपोरेट साम्राज्य में नेतृत्व का संतुलन बदलता दिख रहा है। अब तक टेस्ला मस्क की तरल संपत्ति और वैश्विक पहचान का सबसे बड़ा स्रोत रहा है, लेकिन नई डील के बाद स्पेसएक्स का मूल्यांकन बदल गया है। मस्क की स्पेसएक्स में अनुमानित 43% हिस्सेदारी है, जबकि टेस्ला में यह करीब 13% रह गई है। फोर्ब्स के अरबपति सूचकांक में मस्क की कुल कागजी संपत्ति 852 अरब डॉलर से ऊपर है, जिसमें अब आधे से ज्यादा हिस्सा स्पेसएक्स से जुड़ा हुआ है। साल की शुरूआत टेस्ला के लिए कमजोर रही 2026 की शुरूआत टेस्ला के लिए कमजोर रही है। कंपनी शेयर 6% गिर चुके हैं। ब्रांड इमेज को मस्क की सियासी गतिविधियों से भी झटका लगा है। इसमें ट्रंप प्रशासन के साथ उनका काम और यूरोप में दूर-दराज दक्षिणपंथी नेताओं के प्रति समर्थन शामिल है। रोबोटैक्सी और ऑप्टिमस पर दांव, मॉडल एस और एक्स बंद ईवी बिक्री कमजोर पड़ने के बीच मस्क टेस्ला का फोकस रोबोटैक्सी राइड-हेलिंग सर्विस और ऑप्टिमस ह्यूमनॉइड रोबोट्स की ओर मोड़ रहे हैं, ऐसे क्षेत्र जहां टेस्ला को भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और फिलहाल कोई ठोस बिजनेस मॉडल मौजूद नहीं है। जिन लाइनों पर मॉडल एस और एक्स वाहन बनते थे, वहां ऑप्टिमस रोबोट तैयार किए जाएंगे। स्पेसएक्स की पकड़ रॉकेट लॉन्च से स्टारलिंक तक स्पेसएक्स की बाजार स्थिति मजबूत है। कंपनी ऑर्बिटल लॉन्च सेवाओं की अग्रणी है और नासा तथा अमेरिकी रक्षा मंत्रालय से अरबों डॉलर का अनुबंध है। स्पेसएक्स स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा भी चलाती है। कंपनी अब आईपीओ की तैयारी कर रही है। एक खरब डॉलर स्पेसएक्स 250 अरब डॉलर एक्सएआई सीएनबीसी के अनुसार, घोषित सौदे में स्पेसएक्स का मूल्यांकन 1 खरब डॉलर व एक्सएआई का 250 अरब डॉलर रखा गया है। यह मस्क की कंपनियों के बीच दूसरा बड़ा एकीकरण है। इससे पहले पिछले साल एक्सएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को शेयर आधारित सौदे में खरीदा था। मस्क के समर्थक निवेशक और रिटेल शेयरधारक, जिनमें रॉबिनहुड जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए टेस्ला शेयर रखने वाले लोग भी शामिल हैं, इन कंपनियों को मस्कोनॉमी कहकर संबोधित करते हैं।

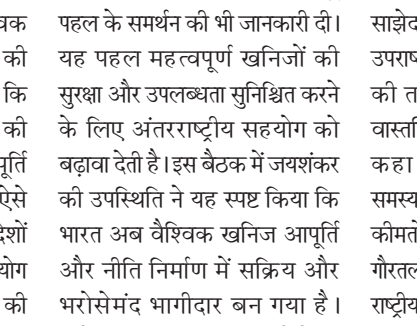

अमेरिकी कानून का सामना कर रहे मादुरो की बढ़ी मुश्किलें वर से अर्जेंटीना ने की प्रत्यर्पण की मांग

न्यूज। अर्जेंटीना की कोर्ट ने अमेरिका से पूर्व वेनेजुएला राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उन्हें सौंपने की मांग की है। मादुरो अभी न्यूयॉर्क की जेल में ड्रग तस्करी के आरोप में बंद हैं। अर्जेंटीना उन पर मानवाधिकार हनन का मुकदमा चलाना चाहता है, लेकिन अमेरिका में चल रहे केस के कारण उनकी वापसी की संभावना कम है। अर्जेंटीना के एक जज ने बुधवार को अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था। मादुरो पर लगे हैं कई गंभीर आरोप मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है। मामलों में नागरिकों को बनाया गया है वादी इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था। अमेरिका में इस मामले में चल रहा

केस अर्जेंटीना ने 1997 की प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए यह मांग की है। हालांकि, इसकी संभावना कम है कि ट्रंप प्रशासन इस पर तुरंत अमल करेगा। इसका मुख्य कारण अमेरिका में मादुरो पर चल रहा मुकदमा है। मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स अभी ब्रुकलिन की जेल में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 वर्षों तक ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में हजारों टन ड्रग भेजने में मदद की। क्या है राजनीतिक समीकरण? राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली खुद को डोनाल्ड ट्रंप का करीबी सहयोगी मानते हैं और उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का स्वागत किया था। मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रत्यर्पण अनुरोध को ऐतिहासिक बताया है। 'अर्जेंटीना फोरम फॉर द डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसी' ने कहा कि यह उन पीड़ितों की जीत है जिन्होंने ताकतवर लोगों के खिलाफ बोलने की हिम्मत दिखाई। अब अर्जेंटीना का विदेश मंत्रालय यह आधिकारिक अनुरोध वाशिंगटन डीसी भेजेगा, जहां अमेरिकी कानूनी विभाग इस पर विचार करेगा।

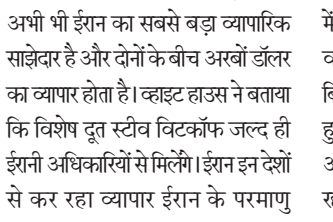

ट्रंप और शी जिनपिंग ने की फोन पर लंबी बातचीत ईरान और ताइवान समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग ने फोन पर बात की। इस बातचीत में दोनों देशों के बीच ईरान और ताइवान जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। शी जिनपिंग से फोन पर बात करने के बाद ट्रंप ने बीजिंग जाने की बात कही। हालांकि चीन ने इसकी पुष्टि नहीं की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी

राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बुधवार को फोन पर लंबी बातचीत हुई। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने ईरान की स्थिति पर चर्चा की, क्योंकि अमेरिका चाहता है कि चीन और अन्य देश तेहरान से अपने रिश्ते तोड़ लें। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि शी के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं। उन्होंने अप्रैल में अपनी बीजिंग यात्रा की योजना का भी जिक्र किया, हालांकि चीन के बयान में इस यात्रा के बारे में कुछ नहीं कहा गया। चीन ने केवल भविष्य में होने वाले शिखर सम्मेलनों की बात की। ट्रंप ने दी है धमकी ईरान को लेकर दोनों देशों में तनाव है। ट्रंप प्रशासन ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने के लिए दबाव बना रहा है। रिपब्लिकन प्रशासन का कहना है कि जून में इजरायल के साथ हुए 12 दिनों के युद्ध और अमेरिकी बमबारी से ईरान के परमाणु स्थलों को पहले ही नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने धमकी दी है कि जो देश ईरान के साथ व्यापार करेंगे, उनके सामान पर अमेरिका 25 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। चीन अभी भी ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों के बीच अरबों डॉलर का व्यापार होता है। व्हाइट हाउस ने बताया कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ जल्द ही ईरानी अधिकारियों से मिलेंगे। ईरान इन देशों से कर रहा व्यापार ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के उद्देश्य से लगाए गए वर्षों के प्रतिबंधों ने देश को अलग-थलग कर दिया है। हालांकि विश्व व्यापार संगठन का कहना है कि तेहरान ने 2024 में अभी भी लगभग 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किया, जिसमें चीन के साथ 32 बिलियन अमेरिकी डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात के साथ 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर और तुर्की के साथ 17 बिलियन अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। ताइवान के मुद्दे पर भी हुई बात बातचीत में ताइवान का मुद्दा भी अहम रहा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और उसे मिलाने की बात करता है। वहीं, अमेरिका ने ताइवान को 10 बिलियन डॉलर के हथियार, मिसाइल और ड्रोन देने का ऐलान किया है, जिससे चीन नाराज है। चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि वह इस मुद्दे को समझदारी से संभाले। शी जिनपिंग ने पुतिन से की बात दोनों नेताओं की बातचीत में ग्रीनलैंड का जिक्र होने की पुष्टि नहीं हुई है, जिस पर ट्रंप कब्जा करना चाहते हैं, लेकिन यूरोपीय देश इसका विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा, शी जिनपिंग ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी बात की। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियार संधि (ठीढ़ रळअफ्ळ) गुरुवार को खत्म हो रही है, जिससे आधे सदी से भी ज्यादा समय में पहली बार दो सबसे बड़े परमाणु हथियारों के जखीरे पर कोई रोक नहीं रहेगी। ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह परमाणु हथियारों पर सीमाएं बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि वे संभावित नई संधि में चीन को शामिल करना चाहते हैं। वाशिंगटन में जेडी वेंस ने की अहम बैठक दूसरी तरफ, वाशिंगटन में एक बैठक हुई, जिसमें चीन के बिना खनिजों की सप्लाई चेन बनाने पर चर्चा हुई। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि हमें अपनी इंडस्ट्री के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सुरक्षित खनिज आपूर्ति अहम मार्को रुबियो ने बैठक को बताया एतिहासिक

वॉशिंगटन। वॉशिंगटन में अमेरिका द्वारा आयोजित पहली महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक में 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे ऐतिहासिक बैठक बताते हुए कहा कि इस बैठक का लक्ष्य आवश्यक खनिजों की सुरक्षा और आपूर्ति सुनिश्चित करना है। अमेरिका ने वॉशिंगटन में पहला महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय बैठक आयोजित किया, जिसमें 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस बैठक का मकसद दुनिया भर में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति और सुरक्षा सुनिश्चित करना और चीन पर निर्भरता कम करना था। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे ऐतिहासिक बैठक बताया। साथ ही यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी विकास के लिए जरूरी खनिजों की आपूर्ति को मजबूत करने के लिए है। महत्वपूर्ण खनिजों पर भारत का दो टूक संदेश, विदेश मंत्री बोले- सप्लाई चेन का जोखिम कम करना जरूरी उन्होंने कहा कि अमेरिका कई देशों के साथ नए महत्वपूर्ण खनिज ढांचा पर समझौते कर रहा है, जिससे निजी कंपनियों का निवेश बढ़े और आपूर्ति चैन सुरक्षित हो।रुबियो ने कहा कि खनन को कभी कम महत्वपूर्ण माना गया क्योंकि यह ग्लैमरस नहीं था, लेकिन इस पर ध्यान न देने से अमेरिका अपनी आर्थिक सुरक्षा खो बैठा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये खनिज आधारभूत संरचना, उद्योग और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। वैश्विक सहयोग और चीन की निर्भरता रुबियो ने कहा कि चीन इस समय दुर्लभ पृथ्वी खनिज और प्रसंस्करण में वर्चस्व रखता है। इसलिए अमेरिका चाहता है कि एक जैसे सोच वाले देशों के बीच आपूर्ति चैन को विविध और सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए है। इससे हर देश के लिए खनिज सुलभ होंगे और आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। खनिज आपूर्ति सुरक्षा पर क्या बोले जयशंकर इस बैठक में एस. जयशंकर ने वैश्विक खनिज आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अत्यधिक निर्भरता और खनिजों की एक जगह सघनता वैश्विक आपूर्ति के लिए जोखिम पैदा करती है। ऐसे जोखिम को कम करने के लिए देशों के बीच संगठित अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। जयशंकर ने भारत की तरफ से की जा रही पहलों का भी उल्लेख किया। इसमें नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन, रेयर अर्थ कॉरिडोर और जिम्मेदार वाणिज्य जैसी योजनाएं शामिल हैं, जो देश की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और भरोसेमंद बनाने में मदद करती हैं। उन्होंने भारत की ओर से ऋद्धफ्र्ए पहल के समर्थन की भी जानकारी दी। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देती है। इस बैठक में जयशंकर की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि भारत अब वैश्विक खनिज आपूर्ति और नीति निर्माण में सक्रिय और भरोसेमंद भागीदार बन गया है। अमेरिका की नई पहल- प्रोजेक्ट वॉल्ट बता दें कि इस बैठक से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रोजेक्ट वॉल्ट की घोषणा की। इसके तहत अमेरिका में सामरिक महत्वपूर्ण खनिज भंडार बनाया जाएगा, जो जरूरी कच्चे माल को देश भर में सुरक्षित रखने में मदद करेगा। यह एक सार्वजनिक-निजी साझेदारी होगी। दूसरी ओर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने कहा कि तेल की तरह ही महत्वपूर्ण खनिज भी वास्तविक और बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि देशों को साथ मिलकर समस्याओं का समाधान करना होगा और कीमतों में स्थिरता लाने की जरूरत है। गौरतलब है कि यह बैठक टेक्नोलॉजी, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित और विविध बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। अमेरिका और सहयोगी देश मिलकर चीन पर निर्भरता कम करने और वैश्विक आपूर्ति चैन मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

कभी हंसते नहीं देखा सबसे खराब रिपोर्टर एपस्टीन फाइल्स पर पूछा सवाल तो महिला पत्रकार पर भड़के ट्रंप

नई दिल्ली। एपस्टीन फाइल से जुड़े एक सवाल पर अमेरिका राष्ट्रपति भड़के हुए नजर आए। जिसके बाद उन्होंने सवाल पूछने वाली महिला रिपोर्ट्स पर व्यक्तिगत हमला बोला। पत्रकार केटलिन कॉलिन्स ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें ट्रंप ने उनकी आलोचना की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फैसलों और तेवर के लिए हमेशा से सुर्खियों में रहते हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाल रहे ट्रंप के कई कदमों में पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। हाल ही में ट्रंप एपस्टीन फाइल्स, वेनेजुएला सहित कई मामलों पर अमेरिकी मीडिया के निशाने पर हैं। इस बीच ट्रंप ने एक प्रेस वार्ता के दौरान महिला पत्रकार पर व्यक्तिगत निशाना साधा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ओवल ऑफिस में महिला पत्रकार पर निजी टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (03 फरवरी) को ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान एपस्टीन फाइलों के बारे में सवाल पूछे जाने पर ट्रंप भड़के हुए नजर आए। ऐसे में उन्होंने सीएनएन की महिला संवाददाता की आलोचना की। ट्रंप ने उन्हें 'सबसे खराब पत्रकार' कहा और उनके संस्थान को 'बेईमान संगठन' बताया। कॉलिन्स ने दावा सवाल, भड़के ट्रंप क्या बोले? दरअसल, सीएनएन की वरिष्ठ व्हाइट हाउस संवाददाता कैटलान कॉलिन्स ने डोनाल्ड ट्रंप से अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी अहम जानकारी को संपादित करने और एपस्टीन पीड़ितों की नाराजगी के बारे में सवाल दागा, उन्होंने सीधा राष्ट्रपति से पूछा कि पीड़ित लोगों से आप क्या कहेंगे, जिनका न्याय नहीं मिला है। इस सवाल पर थोड़े असहज दिखे। उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि, 'मुझे लगता है कि अब देश को किसी और चीज पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि मेरे बारे में कुछ भी सामने नहीं आया है।' इंटरनेट पर वायरल हो रहा प्रेस वार्ता का र्शी इसी के साथ उन्होंने महिला पत्रकार को सबसे खराब बताया और कहा कि मैंने कभी आपको मुस्कुराते नहीं देखा। इसी के साथ उनके मीडिया संस्थान को भी घेरा।

वॉशिंगटन पोस्ट में बड़ी छंटनी शशि थरूर के बेटे ईशान की भी गई नौकरी सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे छलका दर्द

न्यूयॉर्क। द वॉशिंगटन पोस्ट में हुई बड़े पैमाने की छंटनी ने वैश्विक पत्रकारिता को हिला दिया है। अहम बात यह है कि इस छंटनी का शिकार कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे और वरिष्ठ पत्रकार ईशान थरूर भी हो गए हैं। इस छंटनी का सबसे ज्यादा असर अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग टीम पर पड़ा, जहां पश्चिम एशिया समेत दिल्ली, बीजिंग और कीव जैसे अहम ब्यूरो बंद किए गए। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अखबारों में गिने जाने वाले द वॉशिंगटन पोस्ट में बुधवार को बड़े पैमाने पर छंटनी की गई। इस फैसले से अखबार की अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग, स्पोर्ट्स डेस्क और कई अन्य विभाग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। छंटनी के बाद कई वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा किया। इस छंटनी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे ईशान थरूर भी शामिल है। ईशान लंबे समय से वॉशिंगटन पोस्ट से जुड़े थे। छंटनी का शिकार हुए ईसान थरूर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपना दर्द साझा किया। ईशान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्हें नौकरी से निकाले जाने का बेहद दुख है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में जिन अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों और संपादकों के साथ उन्होंने काम किया, उनसे अलग होना दिल तोड़ने वाला है। उन्होंने यह भी बताया कि 2017 में शुरू किया गया उनका कॉलम 'वर्ल्ड व्यू' उनके करियर का सम्मानजनक हिस्सा रहा, जिसे लाखों पाठकों ने पढ़ा। अंतरराष्ट्रीय टीम पर सबसे ज्यादा असर बता दें कि इस छंटनी का सबसे बड़ा असर वॉशिंगटन पोस्ट की अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग टीम पर पड़ा है। पश्चिम एशिया की पूरी टीम हटाई गई। साथ ही दिल्ली, बीजिंग, कीव, लैटिन अमेरिका और बर्लिन जैसे अहम ब्यूरो बंद या बहुत छोटे कर दिए गए। वहीं यरुशलम ब्यूरो चीफ गेरी शिह ने कहा कि उन्होंने सात साल तक दुनिया भर में रिपोर्टिंग की और यह उनके जीवन का खास अनुभव रहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज का दिन दुखद है, लेकिन हमने सच्ची पत्रकारिता की।

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।